सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 47, नई दिल्ली । सोमवार, 29 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

पक्षी को डाल के टूटने का डर नहीं होता, क्योंकि उसे अपने पंखों पर भरोसा होता है।

03 जेल में केजरीवाल इसलिए पद को पारिवारिक संपत्ति मानकर सुनीता ने संभाली कमानश

06 यदि दुख न हो तो सुख का अनुभव कैसे हो

08 मुस्लिम युवाओं में IAS-IPS बनने का ट्रेंड बढ़ा

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन के दिल्ली परिवहन से कुछ छोटे छोटे सवाल

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आटो तीन पहिया के लिए पहले 50 हजार और अब एक लाख परमिट के बाद और जारी करने पर पाबंदी लगा रखी है। जब भी कोई परमिट गिनती के अनुसार जारी किया जाता हैं तब राज्य परिवहन विभाग उस गिनती को बनाए रखने के लिए एक यूनिक परमिट नंबर जारी करता है और उस स्कीम के खत्म होने तक वाहन कितनी बार भी बदला जाए पर परमिट नंबर वही जारी करता है, जिसके प्रति रिप्लेसमेंट मोड में परमिट डिपोजिट किया जाता हैं और नया वाहन आने पर जब उस परमिट को नए वाहन पर रिस्टोर किया जाता हैं तो ऑटोमैटिकली ही वही परमिट उस नए वाहन पर आगे के लिए चढ़ जाता हैं। दिल्ली में रेड लाइन स्कीम, ब्लू लाइन स्कीम, किलोमीटर स्कीम, आरटीवी स्कीम जैसे अनगिनत ऐसी स्कीम है जिनमे अनगिनत बार वाहन या परमिट मालिक बदले गए पर उन्हे हर बार पहले से चल रहा यूनिक परमिट नंबर ही जारी हुआ पर दिल्ली में ही परिवहन विभाग के आला अधिकारी की इच्छा के कारण नियम और कानून के बाहर जाकर आटो तीन पहिया श्रेणी का परमिट नंबर जान बुझकर बदल कर प्रदान किया जा रहा है, आख़िर इसके पीछे क्या है कारण और क्यों मात्र एक व्यवसायिक श्रेणी आटो तीन पहिया को यूनिक परमिट नंबर जारी करने की जगह अलग परमिट नंबर जारी किया जा रहा है। आपकी जानकारी हेतु बता दें की सबसे ज्यादा शिकायते, कोर्ट केस और माफिया इसी श्रेणी के नाम है। कही इन सभी के पीछे स्वयं परिवहन विभाग ही तो नही बड़ा सवाल ?

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन दिल्ली परिवहन से कुछ छोटे छोटे सवालों का जवाब परिवहन विभाग से जानना चाहती है, जाने वह सवाल आप भी

क्या दिल्ली परिवहन विभाग आटो तीन पहिया के ड्रा में सफल धारकों के नाम और उनको प्रदान परमिट का नम्बर जनता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है।

क्या परिवहन विभाग ड्रा के सफल धारकों का परमिट धारक की इच्छा से कब कब हस्तांतरित किसी और धारक के नाम किया गया

क्या परिवहन विभाग बताएगा दिल्ली में ड्रा द्वारा दिए गए सभी श्रेणियों के व्यवसायिक वाहनों के रिप्लेसमेंट होने पर पहले बार सफल ड्रा में जारी परमिट नंबर ही हर बार जारी किया जाता हैं पर आटो तीन पहिया को अलग परमिट नंबर जारी किया जा रहा है आख़िर क्यों ?

व्यवसायिक वाहन मालिकों द्वारा उठाई गई शिकायतों पर दिल्ली परिवहन विभाग नही करता हल, आखिर क्यो?

क्या दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी नही चाहते दिल्ली में जनता को सुरक्षित सार्वजनिक सवारी सेवा उपलब्ध हो। क्या आप जानते और मानते हैं:- कई शिकायतें ऐसी होती हैं जिनका समाधान हाथों हाथ या मात्र 20 मिनट में हो सकता है, लेकिन लापरवाह और भ्रष्ट अधिकारियों को उन्हें हल करने में सालों लग जाते हैं। अगर जनता की समस्याओं को हल करने के लिए सही नीयत और नीति हो तो दिल्ली की कई समस्याएं कुछ घंटे में हल हो सकती हैं।

संजय बाटला

दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की सड़क हादसे में मौत, स्कूटर डिवाइडर से टकराया

पुलिस के सब इंस्पेक्टर की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि स्कूटर डिवाइडर से टकराने के बाद उनकी जान गई है। मृतक की पहचान एनके पवित्रन के रूप में हुई है जो पूर्वी जिले की अपराध टीम से जुड़े थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब 1030 बजे पवित्रन ने संतुलन खो दिया और उनका स्कूटर डिवाइडर से टकरा गया।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि स्कूटर डिवाइडर से टकराने के बाद उनकी जान गई है। मृतक की पहचान एनके पवित्रन के रूप में हुई है, जो पूर्वी जिले की अपराध टीम से जुड़े थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे पवित्रन ने संतुलन खो दिया और उनका स्कूटर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारी ने आगे बताया कि उन्हें लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

बेलगाम ई-रिक्शाओ पर चुनाव बाद बड़ा एक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में लोकसभा के चुनाव के बाद बेलगाम दौड रहे ई-रिक्शाओं के खिलाफ परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस बडा एक्शन लेने जा रही है। दरअसल कोर्ट ने एक वकील की दायर याचिका पर दो दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी परिवहन विभाग को ई-रिक्शा चालकों पर लगाम कसने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने परिवहन विभाग को बाकायदा अगली तारीख पर एक्शन टेकन रिपोर्ट तक लाने को कह दिया है। इससे परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस बडे एक्शन लेने की तैयारी कर रही है। बता दें कि इस वक्त बिना रजिस्ट्रेशन और फिटनेस के लाखों ई-रिक्शा सडकों पर बेलगाम दौड रहे है।

एक अनुमान के मुताबिक दिल्ली की अथॉरिटी में ई-रिक्शाओ का रजिस्ट्रेशन कुछ हजारों में है। जबकि बिना रजिस्ट्रेशन और, लाइसेंस के ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग की जेब गर्म कर लाखों की संख्या में ई-रिक्शा सडकों पर बेतरतीब बिना कायदे -कानून के दौड रहे हैं। बिना फिटनेस, और रजिस्ट्रेशन के जर्जर हालत में 5-5 सवारियों को ढो रहे हैं। इन रिक्शाओं की बावत गाइड लाइन के अभाव में ये किधर भी कहीं के रूट को पकड लेते हैं। फिटनेस की बावत ई-रिक्शा चालक ने बताया कि सालाना फिटनेस में 40 से 50 हजार का खर्च आता है। इतने में दूसरा रिक्शा ले सकते हैं। इसी खर्चे के मद्देनजर इस वक्त लाखों रिक्शा बिना रजिस्ट्रेशन और फिटनेस के सडकों पर चल रहे हैं। ट्रैफिक दबाव के बीच बेलगाम ई-रिक्शाओं के आने से ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो गई है। इसका सबसे ज्यादा फायदा पर्यावरण अनुकूल होने के साथ लाखों बेरोजगार लोगों के परिवार इसी ई-रिक्शे से पल रहे हैं। लोगों का आरोप है कि बिना कायदे कानून की वजह से मनमाना किराया वसूलना आम बात हो गई है। डेढ से दो किलोमीटर सफर के 100 रूपये तक वसूले जा रहे है। परिवहन विभाग के सूत्रों के मुताबिक नए ई-रिक्शाओं के रजिस्ट्रेशन की बावत बाकायदा ई-रिक्शा डीलरों को हिदायत है कि वह बिना रजिस्ट्रेशन के ई रिक्शाओं को सेल नहीं करेगें। इसके लिए बाकायदा दिल्ली की ट्रांसपोर्ट अथॉरटी को ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन कोड अलर्ट किए गए हैं। क्षेत्रीय अथॉरिटी कोड के मुताबिक खैबर पास सिविल लाइन जोन का रजिस्ट्रेशन कोड 01 है। आईपी डिपो जोन -02 है। सराय काले खां जोन -06, मयूर विहार- जोन 07, वजीर पुर जोनल कोड-08, द्वारका जोनल कोड-09, राजा गार्डन जोन-010, रोहिणी जोन-011, वसंत विहार जोन-012, सूरजमल विहार अथॉरटी जोन-13 है ।रिवह अथॉरटी जोन का कोड नंबर रजिस्ट्रेशन का पहला नंबर होता है। इससे ई-रिक्शे की क्षेत्र के मुताबिक पहचान की जा सकती है। दूसरा रूट परमिट अलॉट होने के बाद इ-रिक्शा सिर्फ अपने अधिकार क्षेत्र के रूट पर ही चल सकेगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने इ-रिक्शाओ के परिचालन पर भी परिवहन विभाग को निर्देश दिए थे। अब दो दिन पहले ही इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी बेलगाम-बेतरतीब ट्रैफिक के बीच ई-रिक्शा के परिचालन कंट्रोल पर परिवहन विभाग को निर्देश दिए थे। इस हिसाब से चुनाव के बाद बडे पैमाने पर ई-रिक्शाओ पर लगाम लगाने की बावत बडा एक्शन लिए जाने की संभावना है।

राजस्थान परिवहन विभाग द्वारा लागू नई व्यवस्था पर उठे सवाल

परिवहन विशेष न्यूज

जयपुर। जयपुर में परिवहन विभाग की ओर से एक अप्रेल से शुरू की गई ई-लाइसेंस और ई-आरसी व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। मोटर व्हीकल एक्ट के विपरीत ई-लाइसेंस और ई-आरसी व्यवस्था लागू करने को लेकर राजस्थान हाइकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इस पर संज्ञान लेते हुए हाइकोर्ट ने परिवहन विभाग से छह सप्ताह में जवाब मांगा है। ड्राइविंग लाइसेंस के एक्ट में नियम :- केंद्रीय मोटर वाहन नियम 16(1) में ड्राइविंग लाइसेंस के नियम स्पष्ट हैं। नियम 16 (1) में बताया है कि फॉर्म 7 के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक ड्राइविंग लाइसेंस बिना चिप वाले लेमिनेटेड कार्ड या फिर स्मार्ट कार्ड के रूप में जारी किया जाना अनिवार्य है। स्मार्ट कार्ड के मापदंड केंद्रीय मोटर वाहन नियम अनुच्छेद 11 के अनुसार ही होने चाहिए। आरसी जारी करने के नियम केंद्रीय मोटर वाहन नियम 81 के नोट 2 में पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) के नियम स्पष्ट हैं। इसमें कहा है कि आरसी बिना चिप वाले लेमिनेटेड कार्ड या स्मार्ट क र्ड के रूप में दी जानी है। आरसी नियम 48 के तहत फॉर्म 23 ए के प्रारूप के अनुसार ही जारी किया जाता है। ई-मित्र केन्द्रों से जारी करना इसीलिए गलत परिवहन विभाग ई-मित्र के जरिए स्मार्ट कार्ड की सुविधा दे रहा है लेकिन इसमें मोटर व्हीकल एक्ट की अवहेलना की जा रही है। एक्ट के अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस फॉर्म 7 और आरसी फॉर्म 23 ए के प्रारूप के अनुसार ही जारी किए जा सकते हैं। यानी लाइसेंस और आरसी के स्मार्ट कार्ड का प्रारूप कैसा होगा, यह एक्ट में बताया है। कार्ड की डिजाइन क्या होगी, अक्षर कैसे होंगे, कार्ड की साइज किस तरह से होगी, यह स्पष्ट किया हुआ है। जबकि ई-मित्र मनमर्जी से छापकर ई-लाइसेंस और ई-आरसी दे रहे हैं। दूसरी ओर मंत्रालय ने लाइसेंस के फॉर्म 6 और आरसी के फॉर्म 23 को समाप्त कर दिया है, इसके तहत अब लाइसेंस और आरसी पेपर प्रिंट पर नहीं दिए जा सकते। कांग्रेस सरकार में भी ई-लाइसेंस और ई-आरसी व्यवस्था को लागू करने की कवायद हुई थी लेकिन मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों को देखते हुए इसे लागू नहीं किया गया। भाजपा सरकार आने के बाद विभाग ने इस योजना को बजट घोषणा में शामिल करा कर लागू कर दिया।

सड़क सुरक्षा का रोडमैप: स्वयंसेवकों के लिए सुरक्षित जीवन के लिए बेहतर संभावनाएं बनाने के लिए...

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

सड़क सुरक्षा हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसे हमें सबके साथ लेकर चलना चाहिए। यह न केवल हमारे खुद के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी महत्वपूर्ण है। सड़कों पर हादसों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए हमें एक साथ मिलकर सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता है।

एक सुरक्षित और सुरक्षित जीवन की स्थिति तक पहुंचने के लिए, हमें सड़क सुरक्षा के लिए एक रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता है। इस रोडमैप में हमें विभिन्न क्षेत्रों को समाहित करना होगा, जैसे कि संचार, शिक्षा, नियमित निगरानी, और संज्ञानात्मकता।

पहले, हमें सड़क सुरक्षा के महत्व को समझना होगा। हमें जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से लोगों को इसके महत्व को समझाना चाहिए। लोगों को सड़कों पर सुरक्षित रहने के लिए जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए, जैसे कि सीट बेल्ट का प्रयोग करना, हेलमेट पहनना

दूसरे, हमें सुरक्षा के लिए तकनीकी और इंजीनियरिंग सुधारों पर ध्यान देना होगा। सड़कों पर सुरक्षित चलने के लिए इंजीनियरिंग परिवर्तनों को करना होगा, जैसे कि चौराहों पर संकेत, पथप्रदर्शक, और सुरक्षा समारोह।

तीसरे, हमें सुरक्षा के लिए कानूनी और नियमित निगरानी प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है। निगरानी और नियमों के पालन का पालन करने के लिए शक्तिशाली कानूनी प्रणाली को स्थापित करने की आवश्यकता है, जिससे कि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

चौथे, हमें सुरक्षा की जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक संगठनों और स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर काम करना होगा। स्थानीय समुदायों को सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाने और सड़क सुरक्षा के लिए सामुदायिक उपायों को लागू करने में मदद करना होगा।

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर दिल्ली पुलिस ने कही ये बातें

यातायात पुलिस के मुताबिक हाल के महीनों में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि देखी है जिससे यातायात पुलिस को सड़कों पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने को मजबूर किया है। वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने से चालकों का ध्यान बंटने से दुर्घटना की आशंका बढ़ती है।

नई दिल्ली। राजधानी ही नहीं बल्कि एनसीआर में भी वाहन चलाते समय चालकों द्वारा मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। इससे चालक अपनी जान तो जोखिम में डाल ही रहे हैं। सड़कों पर चलने वाले दूसरे लोगों की जान जाने की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसा करना बेहद लापरवाह पूर्ण रवैया माना जाता है साथ ही यह यातायात नियमों का घोर उल्लंघन भी है।

यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त हर गोविंद सिंह धालीवाल का कहना है कि हाल के महीनों में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि देखी है, जिससे यातायात पुलिस को सड़कों पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने को मजबूर किया है। वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने से चालकों का ध्यान बंट जाता है, इससे दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है।

ट्रैफिक पुलिस ने इस वर्ष कार्रवाई की तेज

इस खतरनाक व्यवहार को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने इस वर्ष कार्रवाई तेज कर दी है। इस साल एक जनवरी से 15 अप्रैल यानी साढ़े तीन माह के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने वाले 15,846 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर इनके चालान काटे गए। 2023 यानी पिछले वर्ष साढ़े तीन माह में 6369 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

इस वर्ष कार्रवाई में 149 प्रतिशत की वृद्धि

उनके वाहनों के चालान काटे गए। तुलनात्म देखा जाए तो इस वर्ष कार्रवाई में 149 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह उल्लेखनीय वृद्धि यातायात पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए की गई कार्रवाई के कारण हुई।

धालीवाल का कहना है कि सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपनाए गए सक्रिय दृष्टिकोण के कारण उन्होंने यह पहल की है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर लक्षित कार्रवाई की गई।

खतरों के बारे में शिक्षित करने की कोशिश

सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को बढ़ाने के लिए यातायात पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की है। इसके अलावा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सक्रिय रूप से जन जागरूकता में लगी हुई है। मोटर चालकों को मोबाइल फोन के उपयोग के खतरों के बारे में बताकर उन्हें शिक्षित करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे सड़कों पर चलने के दौरान मोबाइल का उपयोग कदापि न करें। ऐसा करने से परहेज करें। गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि पूरा ध्यान ड्राइविंग पर होना चाहिए।

दस बड़े ट्रैफिक सर्किल जहां सबसे अधिक चालान कटे

पंजाबी बाग	845
तिलक नगर	810
कालकाजी	797
नांगलोई772	
करोल बाग	675
डिफेंस कालोनी	670
संगम विहार	662
द्वारका 556	
सफदरजंग एन्क्लेव	522
नजफगढ़	507

कुंडली में कमजोर है चंद्रमा तो सोमवार को करें ये उपाय, मानसिक तनाव से मिलेगी मुक्ति

अनन्या मिश्रा

जिन जातकों की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति खराब है, तो उन जातकों को सोमवार के दिन जल में दूध मिलाकर चंद्रदेव को अर्घ्य देना चाहिए। इसके साथ ही चंद्रदेव के 108 नामों का जाप करना चाहिए।

हिंदू धर्म में सोमवार के दिन का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन भगवान शिव शंकर और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त सोमवार के दिन भक्ति में लीन होकर पूजा करते हैं, उनको जल्द ही अद्भुत परिणाम देखने को मिलता है।

बता दें कि जिन जातकों की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति खराब है, तो उन जातकों को सोमवार के दिन जल में दूध मिलाकर चंद्रदेव को अर्घ्य देना चाहिए। इसके साथ ही चंद्रदेव के 108 नामों का जाप करना चाहिए। जो कि इस प्रकार से हैं।

चंद्रदेव के 108 नाम

1. ॐ द्युतिलकाय नमः
2. ॐ द्विजराजाय नमः
3. ॐ ग्रहाधिपाय नमः
4. ॐ ग्रसितार्काय नमः
5. ॐ ग्रहमंडलमध्यस्थाय नमः
6. ॐ मेरुगोत्रप्रदक्षिणाय नमः
7. ॐ दांताय नमः
8. ॐ महेश्वरप्रियाय नमः
9. ॐ वसुसमृद्धिदाय नमः
10. ॐ विवस्वन्मंडलाग्नेयवासाय नमः
11. ॐ दिव्यवाहनाय नमः
12. ॐ चतुराय नमः
13. ॐ चतुरश्रासनारूढाय नमः
14. ॐ अव्ययाय नमः
15. ॐ कर्कटप्रभुवे नमः
16. ॐ करुणारससंपूर्णाय नमः
17. ॐ प्रियदायकाय नमः
18. ॐ अत्यंतविनयाय नमः
19. ॐ आत्रेयगोत्रजाय नमः
20. ॐ नयनाब्जसमुद्भवाय नमः
21. ॐ कुंदपुष्पोज्वलाकाराय नमः
22. ॐ धनुर्धराय नमः
23. ॐ दंडपाणये नमः
24. ॐ दशाश्वरथसंरूढाय नमः
25. ॐ श्वेतगंधानुलेपनाय नमः
26. ॐ श्वेतमाल्यांबरधराय नमः
27. ॐ सितभूषणाय नमः
28. ॐ सितांगाय नमः
29. ॐ सितच्छत्रध्वजोपेताय नमः
30. ॐ सनकादिमुनिस्तुताय नमः
31. ॐ सर्वज्ञाय नमः
32. ॐ सर्वागमज्ञाय नमः
33. ॐ साधुवंदिताय नमः
34. ॐ स्ॐयजनकाय नमः
35. ॐ सकलार्तिहराय नमः
36. ॐ भुवनप्रतिपालकाय नमः
37. ॐ भव्याय नमः
38. ॐ भूच्छायाच्छादिताय नमः
39. ॐ निरामयाय नमः
40. ॐ निर्विकाराय नमः
41. ॐ निराहाराय नमः
42. ॐ निस्सपत्नाय नमः
43. ॐ जगदानंदकारणाय नमः
44. ॐ जगत्प्रकाशकिरणाय नमः
45. ॐ भवबंधविमोचनाय नमः
46. ॐ भक्तिगम्याय नमः
47. ॐ भायांतकृते नमः
48. ॐ सागरोद्भवाय नमः
49. ॐ सर्वरक्षकाय नमः
50. ॐ सामगानप्रियाय नमः
51. ॐ भक्तदारिद्र्यभंजनाय नमः
52. ॐ भद्राय नमः
53. ॐ मुक्तिदाय नमः
54. ॐ भुक्तिदाय नमः
55. ॐ मुक्तिदाय नमः
56. ॐ भक्तानामिष्टदायकाय नमः
57. ॐ सुरस्वामिने नमः
58. ॐ सुधामयाय नमः
59. ॐ जयफलप्रदाय नमः
60. ॐ जयिने नमः
61. ॐ शुभ्राय नमः
62. ॐ शुचये नमः
63. ॐ क्षयवृद्धिसमन्विताय नमः
64. ॐ क्षीणपापाय नमः
65. ॐ क्षपाकराय नमः
66. ॐ नित्यानुष्ठानदाय नमः
67. ॐ अमर्त्याय नमः
68. ॐ मृत्युसंहारकाय नमः
69. ॐ कामदायकाय नमः
70. ॐ कामकृताय नमः
71. ॐ कालहेतवे नमः
72. ॐ कळाधराय नमः
73. ॐ देवभोजनाय नमः
74. ॐ द्युचराय नमः
75. ॐ प्राकाशात्मने नमः
76. ॐ स्वप्राकाशाय नमः
77. ॐ अष्टदारुकुठारकाय नमः
78. ॐ अनंताय नमः
79. ॐ अष्टमूर्तिप्रियाय नमः
80. ॐ शिष्टपालकाय नमः
81. ॐ पुष्टिमते नमः
82. ॐ दुष्टदूराय नमः
83. ॐ दोषाकराय नमः
84. ॐ विदुषांपतये नमः
85. ॐ विश्वेशाय नमः
86. ॐ वीराय नमः
87. ॐ विकर्तनानुजाय नमः
88. ॐ ज्योतिश्चक्रप्रवर्तकाय नमः
89. ॐ जयोद्योगाय नमः
90. ॐ जितेंद्रियाय नमः
91. ॐ साधुपूजिताय नमः
92. ॐ सत्पतये नमः
93. ॐ सदाराध्याय नमः
94. ॐ सुधानिधये नमः
95. ॐ निशाकराय नमः
96. ॐ ताराधीशाय नमः
97. ॐ चंद्राय नमः
98. ॐ शशिधराय नमः
99. ॐ श्रीमते नमः
100. ॐ द्विभुजाय नमः
101. ॐ औदुंबरनागवासाय नमः
102. ॐ उदाराय नमः
103. ॐ रोहिणीपतये नमः
104. ॐ नित्योदयाय नमः
105. ॐ मुनिस्तुत्याय नमः
106. ॐ नित्यानंदफलप्रदाय नमः
107. ॐ सकलाह्लादनकराय नमः
108. ॐ पलाशसमिधप्रियाय नमः

आइए जानें 9 निधियां कौन-कौन सी हैं

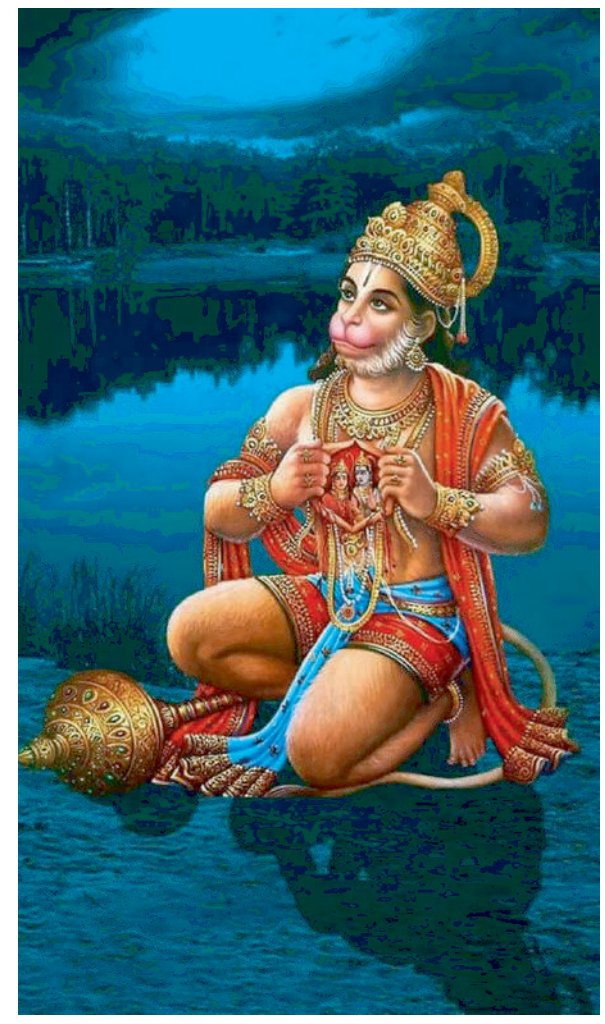

आपने अष्ट सिद्धियों के बारे में बहुत पढ़ा बहुत जाना आज आपको बताते हैं नौ निधियों के बारे में। हनुमान चालीसा में लिखा हैं, "अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता असवर दीन जानकी माता" हनुमान जी के पास अष्टसिद्धियां तथा नवनिधियां हैं जो प्रसन्न होने पर हनुमानजी अपने भक्तों को प्रदान करते हैं। नवनिधियों के बारे में शास्त्रों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को उनमें से एक भी प्राप्त हो जाती है, तो उसे जीवन भर कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। यह हैं नौ निधियाँ

पद्म निधि पद्म निधि से संपन्न व्यक्ति में सात्विक गुण होते हैं, इसलिए उसके द्वारा अर्जित धन भी सात्विक होता है। सात्विक तरीके से अर्जित धन से कई पीढ़ियों को कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती। ऐसे भक्त व्यक्ति सोने, चांदी और रत्नों से संपन्न होते हैं एवं उदारता से दान में विशेष रुचि रखते है। महापद्म निधि महापद्म निधि भी पद्म निधि की तरह सात्विक है। किंतु यह केवल 7 पीढ़ियों तक प्रभावी है इस निधि से संपन्न व्यक्ति दानशील भी होता है और 7 पीढ़ियों तक सुख-समृद्धि से आनंद में रहेगा. नील निधि नील निधि में सत्व और रज दोनों गुणों वाली है इसमें व्यापार की प्रधानता अधिक है इस निधि का प्रभाव केवल तीन पीढ़ियों तक रहेगा.मुकुंद निधि मुकुंद निधि में रजोगुण की प्रधानता है इसलिए इसे राजसी स्वभाव वाली निधि कहा जाता है। इस निधि से संपन्न व्यक्ति या साधक का मन "भोग" आदि में लगा रहता है। एक पीढ़ी के बाद यह निधि समाप्त हो जाती है। नंद निधि नंद निधि रज और तम दो गुणों वाली है ऐसा माना जाता है कि यह निधि साधक को दीर्घायु तथा उन्नति प्रदान करती है। मकर निधि मकर निधि को तामसी निधि कहा जाता है। इस निधि से संपन्न साधक अस्त्र-शस्त्र एकत्रित करता है। ऐसा जातक राजा और प्रशासन में प्रभाव रखता है। शत्रुओं पर उसका प्रभुत्व होता है तथा युद्ध के लिए तत्पर रहता है। इनकी मृत्यु भी शस्त्र से या दुर्घटना में हो जाती है। कच्छप निधि कच्छप निधि का साधक अपने धन को छिपाकर रखता है। वह न तो स्वयं उसका उपयोग करता है, न ही दूसरों को करने देता है। वह उसे साँप की तरह सुरक्षित रखता है। ऐसा व्यक्ति धन होने पर भी उसका उपयोग नहीं कर पाता। शंख निधि शंख निधि प्राप्त करने वाला व्यक्ति अपने बारे में ही चिंता करता है तथा केवल अपने ही भोग विलास की इच्छा रखता है। वह खूब कमाता है, लेकिन उसका परिवार दरिद्रता में रहता है। ऐसा व्यक्ति धन का उपयोग अपने ही सुखों के लिए करता है, जिसके कारण उसका परिवार दरिद्रता में रहता है। खर्व निधि को मिश्रित निधि है नाम के अनुसार इस निधि से संपन्न व्यक्ति अन्य 8 निधियों का मिश्रण होता है। इस निधि से संपन्न व्यक्ति मिश्रित स्वभाव का होता है। उसके कार्यों और स्वभाव का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। ऐसा माना जाता है कि इस निधि से संपन्न व्यक्ति अपंग और अहंकारी होता है। अगर उसे मौका मिले तो वह दूसरों की संपत्ति और सुख-समृद्धि छीन सकता है।

पृथ्वी से ढाई गुणा बड़े ग्रह पर मिली जीवन की आशा के संकेत

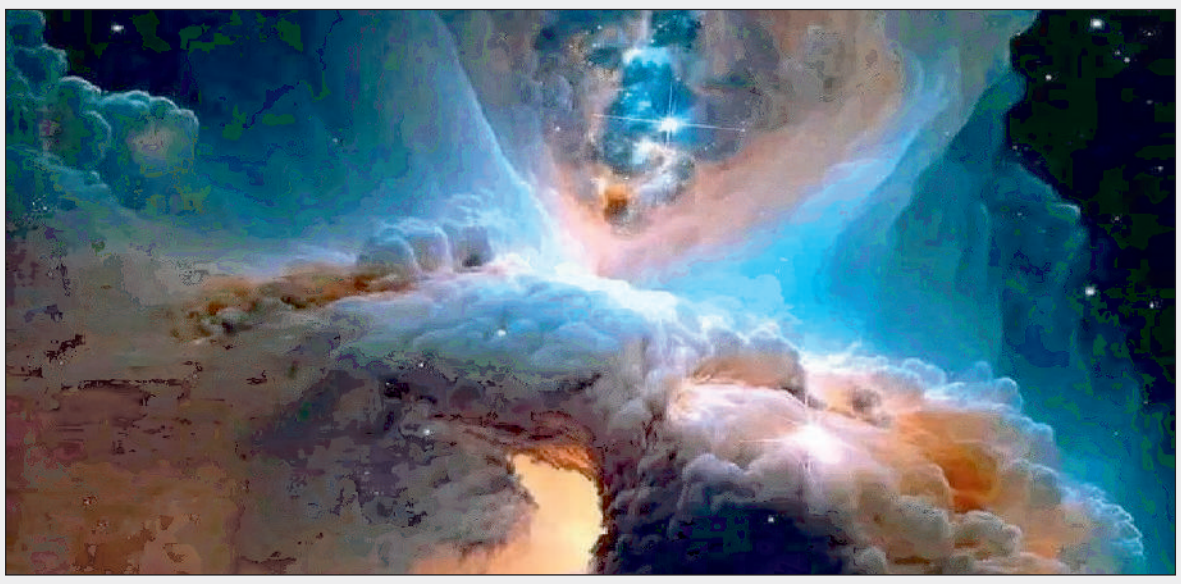

पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की तलाश जल्द ही खत्म हो सकती है. अंतरिक्ष में भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप, बेहद दूर स्थित ग्रहों में से एक पर जीवन के सबसे आशाजनक संकेतों के मिलने के बाद उस पर नजर डालने के लिए पूरी तरह तैयार है. इस ग्रह को K2-18b का नाम दिया गया है और यह सिंह नक्षत्र के नीचे और K2-18 तारे के पास स्थित है. माना जाता है कि K2-18 तारा हमारे सूर्य से लगभग आधे आकार का है. वहीं यह ग्रह K2-18b पृथ्वी से लगभग 2.6 गुना बड़ा है.

वैज्ञानिकों को ग्रह पर मिली खास चीजः- वैज्ञानिकों ने एक ग्रह के वायुमंडल में एक ऐसी गैस की खोज की है जो 'केवल जीवन द्वारा उत्पादित' हो सकती है. रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने ग्रह के वायुमंडल में डाइमिथाइल सल्फाइड (DMS) गैस पाई है. वैज्ञानिकों का मानना है कि यह 'समुद्री वातावरण में फाइटोप्लैंकटन' द्वारा उत्पादित किया गया होगा. शोधकर्ता इस बात पर 50 प्रतिशत से अधिक आश्वस्त हैं कि इस ग्रह के वायुमंडल में डीएमएस मौजूद है. वैज्ञानिक अभी तक यह साबित करने में असमर्थ रहे हैं कि जीवित प्राणियों की अनुपस्थिति में डीएमएस का उत्पादन किया जा सकता है, लेकिन यह जीवन की संभावना को लेकर कोई 'निर्णायक साक्ष्य' नहीं है.

कहां पर है यह ग्रहः- K2-18b पृथ्वी से 124 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है, जो इस धरती के निकटतम पड़ोसियों में से एक बनाता है. इस ग्रह तक पहुंचने के लिए, वोयजर अंतरिक्ष यान की गति से यात्रा करने वाले यान को मानव वर्षों में लगभग 2,175.44 वर्ष लगेंगे. वोयजर अंतरिक्ष यान 38,000 मील प्रति घंटे की गति से यात्रा करता है. जेम्स वेब टेलीस्कोप को वर्ष 2021 में गुयाना स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था. अपने प्रक्षेपण के बाद से इसने कई हैरान करने वाले तथ्यों का खुलासा किया है, जिसमें अंतरिक्ष की लुभावनी तस्वीरें भी शामिल हैं, जो यह यह नासा को भेजता है. इसने पृथ्वी से 1,300 प्रकाश वर्ष दूर एक ग्रह वास्प-107बी की खोज की है. इसके अलावा एक अन्य ग्रह GJ1214 की भी तस्वीरें भेजीं, जिसका द्रव्यमान हमारे ग्रह से आठ गुना अधिक था. इसने ओरियन नेबुला के विशाल ग्रहों की भी खोज की है. ऐसे में अब देखना होगा कि यह K2-18b ग्रह पर जीवन के किन संकेतों का पता लगा पाता है।

दुनिया का सबसे रहस्यमयी मंदिर, जहां आंखों में पट्टी बांधकर करने होते हैं दर्शन, मगर क्यों? जानें

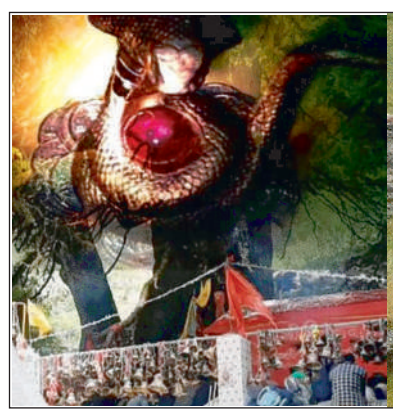

हमारे देश भारत में ऐसे कई मंदिर हैं जो काफी रहस्यमयी हैं या फिर अपनी अनोखी परंपराओं के लिए जाने जाते हैं। उत्तराखंड में एक ऐसा मंदिर है जहां श्रद्धालु सीधे प्रवेश नहीं कर सकते। इस मंदिर का नाम लाटू मंदिर है और यहां यह अनोखी परंपरा कई सालों से चली आ रही है। कोई भी श्रद्धालु सीधे दर्शन के लिए नहीं जा सकता। यही कारण है कि मंदिर के पुजारी भक्तों को मंदिर में प्रवेश करने से पहले आंखों पर पट्टी बांधते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में भगवान नागराज अपनी मणि के साथ विराजमान हैं और मणि की तेज रोशनी किसी भी भक्त को अंधा कर सकती है। इसी वजह से मंदिर में प्रवेश करने से पहले पुजारी भक्तों की आंखों पर पट्टी बांध देते हैं। इस रहस्यमयी मंदिर में पूरे साल किसी को भी प्रवेश की इजाजत नहीं है। इस मंदिर का प्रवेश द्वार वैशाख माह की पूर्णिमा के अवसर पर खुलता है। सभी भक्त दूर से ही भगवान के दर्शन करते हैं। इस दौरान मंदिर के पुजारी सभीकी आंखों पर पट्टी बांधकर पूजा करते हैं। लाटू मंदिर में ज्यादातर विष्णु सहस्रनाम और भगवती चंडिका का पाठ किया जाता है। मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। अगर आप भी इस प्रसिद्ध और विचित्र मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको चमोली जाना होगा। यदि आप दिल्ली से बस द्वारा लाटू देवता के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो आपको ऋषिकेश होते हुए लगभग 465 किलोमीटर की यात्रा करनी होगी।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने दिया इस्तीफा
आप से गठबंधन और कन्हैया कुमार वजह

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस की भारत जोडों और न्याय यात्रा की हवा निकालते हुए,पार्टी को तोडने और अन्याय पूर्ण निर्णय लेने के खिलाफ , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर अपना विरोध जता दिया ।उन्होने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को सौंपा दिया है। पार्टी की कारयशैली से शुब्द लवली ने लिखा है कि दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी,जो कांग्रेस के खिलाफ झूठे,मनघढंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार बनी थी। इसके बावजूद, पार्टी ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने का निर्णय लिया। जबकि केजरीवाल ने पानी पी पी कर कांग्रेस को कोसा और कई तरह के अनर्गल आरोप लगाए। कांग्रेस पार्टी आज फिर से उसी आम आदमी पार्टी की पैरवी कर रही है। लवली ने कहा कि हमें पब्लिक के आगे अपना मुंह छिपाना पड रहा है। लोग सबसे पहले

इसी सवाल का जवाब.मांग रहे है। ऐसे में अपने को बे-जवाबी और कई कारणों से खुद को अपंग ,असहज महसूस कर रहे थे। लवली ने पत्र में खुलासा किया कि 31 अगस्त, 2023 को मुझे दिल्ली प्रदेश नियुक्त किया गया ।मैने पिछले 7-8 महीनों में पार्टी को फिर से स्थापित करने का भरपूर प्रयास किया है। ताकि पार्टी अपनी खोई साख को फिर से स्थापित कर सके। लेकिन कांग्रेस पार्टी फिर से उसी धरातल में पहुंच गई। लवली ने लिखा कि मैने पार्टी को दिल्ली में फिर जिंदा किया। टूटे और छूटे कार्यकर्ताओ को फिर जोडा। पार्टी में दूसरे दलों के नेताओ को पार्टी में शामिल किया। इसके अलावा मेरे द्वारा डीपीसीसी में कोई वरिष्ठ नियुक्ती करने की अनुमति नहीं दी गई। मीडिया के रूप में एक अनुभवी नेता की नियुक्ती के लिए मेरे अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया। इसके अलावा लवली उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से कन्हैया कुमार को उम्मीदवार बनाना भी खासा खटक गया। उन्होने कहा कि कन्हैया कुमार पार्टी लाइन और मान्यताओ का खंडन करते हुए दिल्ली सीएम केजरीवाल की झूठी प्रशंसा कर रहे हैंऔर मीडिया में बयान देकर दिल्ली के नागरिकों की पीडा की जगह आप की शिक्षा,स्वास्थ्य, सडक और फ्री बिजली, क्षेत्र में किए गए कथित कार्यो का झूठा बखान कर रहे है।

टिकट के लिए नहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए दिया दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा, अरविंदर सिंह लवली का छलका दर्द

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा मंजूर किए जाने के बाद अरविंदर सिंह लवली की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा कि वो टिकट के लिए नहीं, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए इस्तीफा दिया है. वह फिलहाल किसी दूसरी पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं.

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. उन्होंने कहा कि मैंने अपने मन की पीड़ा और दिल्ली के तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पीड़ा को अपने अध्यक्ष को भेजा था. मेरी पीड़ा उसूलों को लेकर है. मैंने इस्तीफा अपने लिए नहीं दिया, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए दिया है.पीसी के दौरान भावुक लवली ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी दीपक बावरिया को धन्यवाद किया. साथ ही उन्होंने कहा कि वह किसी पार्टी में शामिल नहीं होने जा रहे हैं. .

अफवाहों को दरकिनार करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके इस्तीफे के पीछे टिकट वितरण कारण नहीं है और ये "उसूलों की वजह से" था. लवली ने दावा किया कि करीब 30 पूर्व विधायकों ने उनसे मुलाकात की है और अपना समर्थन दिया है. कभी कांग्रेस के वर्कर ने ये नहीं कहा कि मौजूदा केजरीवाल सरकार को हमने क्लीन चिट दिया है. हमारा रुख हमेशा से ही गठबंधन के साथ लड़ने का था.

ये कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना है

उन्होंने कहा, "यह अरविंदर सिंह लवली की भावना नहीं है, बल्कि यह कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना है. मैं आलाकमान को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया. मैं सौरभ भारद्वाज को उनके शब्दों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं." उन्होंने साफ कहा कि वह किसी भी पार्टी में शामिल होने नहीं जा रहे हैं. लवली ने कहा किउनका रुख हमेशा गठबंधन के साथ लड़ने का था, लेकिन हमने उन्हें अस्पताल बनाने का श्रेय कभी नहीं दिया उन्होंने कहा, "मैं कम से कम कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं. 30-35 लोग मुझसे मिलने आए हैं, यहां तक कि पूर्व विधायक भी. यह कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना है." उन्होंने कहा, "मैं कहीं नहीं जा रहा हूं, किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं." बता दें कि यह दूसरी बार है जब लवली ने दिल्ली कांग्रेस प्रमुख के पद से इस्तीफा दिया है. उन्होंने 2015 में भी इस्तीफा दे दिया था. जब AAP ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में 70 में से 67 सीटें जीतकर जीत हासिल की थी।

उच्च न्यायालय द्वारा दी गई टिप्पणी दिल्ली की जनता के समक्ष सबूत बनकर दिखने में आई

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड जेल के अंदर और बाहर पत्नि सुनीता केजरीवाल ने राजनीति अखाडे में ताल ठोक दी है। सुनीता ने लोकसभा चुनाव की कमान संभाल ली है। इसी पहल के तहत उन्होंने आम आदमी पार्टी के पूर्वी दिल्ली उम्मीदवार के समर्थन में विशाल रोड शो किया। सुनीता ने इस दौरान कोंडली लोकसभा इलाके में पार्टी समर्थकों कार्यकर्ताओ के साथ बातचीत की और उनका हौंसला बडाया। रोड शो के दौरान सुनीता केजरीवाल अपनी गाडी के छत के कटे रास्ते बाहर खडी होकर मतदाताओ का हाथ जोडकर अभिवादन स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि कथित शराब घोटाले ,मनी लॉन्डिरिंग मामले में दिल्ली सीएम तिहाड जेल में हिरासत में है। उनकी अनुपस्थित में सुनीता केजरीवाल ने राजनितिक गतिविधियों के तहत पार्टी का चेहरा बनकर उभरी है ।यह रोड शो दिल्ली में सुनीता केजरीवाल की पहली आधिकारिक सभा है। सभा को संबोधित करते हुए सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मेरे पति

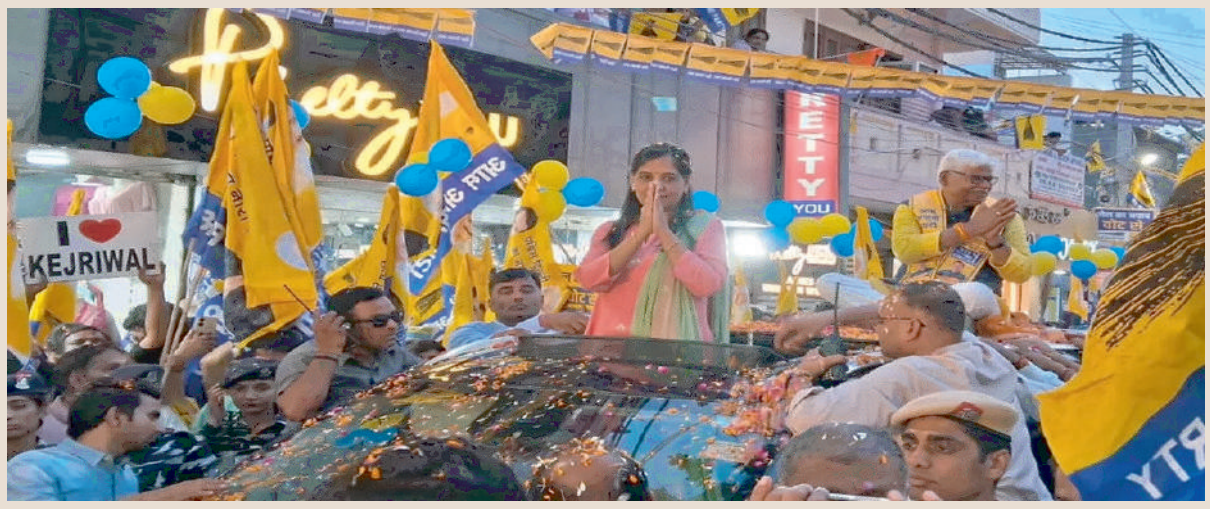

अरविंद केजरीवाल को पिछले एक महीने से जेल में बंद किया हुआ है। हालांकि अदालत ने उन्हें दोषी करार नहीं किया है। जांच जारी है।अगर जांच 10 साल तक चलेगी तो क्या उन्हें 10 साल तक जेल में रखा जाएगा। ये तानाशाही है। सीएम केजरीवाल 22 साल से शुगर पेशेंट है। 12 साल से इंसुलिन पर है ।जेल में उन्हें इंसुलिन देने से मना कर दिया गया है ।क्या वे अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते है। उनकी आखिर गलती क्या है? उनकी खता ये है कि उन्होने स्कूल बनवाए, मुफ्त बिजली, पानी के अलावा मौहल्ला क्लिनिक खोले। उन्होने जनता का अहवाहन किया कि 25 मई को तानाशाही हटाने और लोकतंत्र बचाने के लिए वोट करेंगे ।हम साथ मिलकर लगेंगे और जितेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में केस दर्ज, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल कर सकती है गिरफ्तारियां

पिछले कुछ दिनों में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शह के एक फर्जी वीडियो के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की है। स्पेशल सेल की साइबर सेल यूनिट को एक शिकायत मिली जिसके बाद उसने जांच शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस उस अकाउंट की पहचान कर पता लगाने की कोशिश कर रही है

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शह (Amit Shah) के एक फर्जी वीडियो के मामले में दिल्ली पुलिस (Delhi Police) की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की है।

सूत्रों के अनुसार, स्पेशल सेल की साइबर सेल यूनिट (Cyber Cell Unit) को एक शिकायत मिली, जिसके बाद उसने जांच शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस उस अकाउंट की पहचान कर पता लगाने की कोशिश कर रही है, जिसने सबसे पहले वीडियो अपलोड किया था। वीडियो में दिख रहा था कि अमित शाह आरक्षण खत्म करने का बयान दे रहे थे।

देशभर में गिरफ्तारियों की संभावना

पीटीआई के अनुसार, स्पेशल सेल ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं और आईटी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधान के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि अब देशभर में गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

शिकायत के अनुसार, एक वीडियो, जिसमें छेड़छाड़ की गई है, वो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनसे शांति भंग और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है।

'ये तो होना ही था...', दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद बोले भाजपा नेता

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के बाद अब बीजेपी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। दिल्ली प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के INDI गठबंधन के तथाकथित प्रमुख दल कांग्रेस में ही आपसी सहमति नहीं है। वहीं बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्द्धन ने कहा- ये तो होना ही था। कांग्रेस के लिए यह मूर्खता की पराकाष्ठा थी।

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने आज पार्टी से इस्तीफा दे दिया। लवली ने पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया ने मुझे पंगु बना रखा था। वह हमें पार्टी चलाने नहीं दे रहे थे। मेरी सलाह पर कोई नियुक्ति नहीं की जा रही थी। प्रदेश कांग्रेस की रजामंदी नहीं होने पर भी आप के साथ गठबंधन किया गया। वहीं अब बीजेपी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है।

दिल्ली प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के INDI गठबंधन के तथाकथित प्रमुख दल कांग्रेस में ही आपसी सहमति नहीं है। जिस दल कांग्रेस में न लोकतंत्र है और न ही सेवा की सोच, उसमें मूल्यों को महत्त्व देने वाले व्यक्ति रह ही नहीं सकते। 6 दशक तक देश को लूटने वाली कांग्रेस अब अपने अंत की तरफ अग्रसर है।

कांग्रेस के लिए मूर्खता की पराकाष्ठा: हर्षवर्द्धन

वहीं बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्द्धन ने कहा- ये तो होना ही था। कांग्रेस के लिए यह मूर्खता की पराकाष्ठा ही थी कि जिस आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक जन्म ही कांग्रेस को गालियां देकर हुआ हो, आज सिर्फ मोदी से डरकर एक-दूसरे को गले लगाने पर मजबूर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस-आप का गठबंधन कभी अस्तित्व में था ही नहीं, क्योंकि जमीनी कार्यकर्ता ने कभी इसे स्वीकारा ही नहीं था और मैं आज गारंटी के साथ कहता हूं कि 4 जून की दोपहर तक करारी हार के बाद यही ठगबंधन के नेता एक-दूसरे को फिर से गालियां देना शुरू कर देंगे। अरविंदर जी का जाना सिर्फ एक शुरुआत है। अभी तो ऐसे बहुत से जमीनी कार्यकर्ताओं की अंतरात्मा जागेगी।

बड़ी मात्रा में मांगने के आधार पर सूचना देने से नहीं कर सकते इनकार: दिल्ली हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने माना है कि कोई प्राधिकारी सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई अधिनियम) के तहत इस आधार पर जानकारी देने से इनकार नहीं कर सकता कि बड़ी मात्रा में जानकारी मांगी गई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि यदि न्यायालय इस तर्क को स्वीकार करता है तो यह आरटीआई अधिनियम की धारा-आठ के तहत कोई और छूट जोड़ने के समान होगा।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने माना है कि कोई प्राधिकारी सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई अधिनियम) के तहत इस आधार पर जानकारी देने से इनकार नहीं कर सकता कि बड़ी मात्रा में जानकारी मांगी गई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि यदि न्यायालय इस तर्क को स्वीकार करता है, तो यह आरटीआई अधिनियम की धारा-आठ के तहत कोई और छूट जोड़ने के समान होगा। अदालत ने कहा कि प्रतिवादी आरटीआइ आवेदनकर्ता द्वारा मांगी गई जानकारी अधिनियम की धारा-आठ में निहित किसी भी छूट के अंतर्गत नहीं आती है।

अदालत ने नोट किया कि याचिका में प्रतिवादी द्वारा मांगी गई जानकारी उपलब्ध न कराने का एकमात्र कारण ज्यादा जानकारी मांगना बताया गया। यह भी कहा गया है कि अधिकारियों के लिए प्रतिवादी द्वारा मांगी गई जानकारी प्रदान करना संभव नहीं है। अदालत ने उक्त टिप्पणी करते हुए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) द्वारा केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। इसमें कमल जीत छिब्बर द्वारा मांगी गई पूरी और स्पष्ट जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया गया था। सीआईसी ने 25 दिसंबर 2015 और 25 जनवरी 2016 को दो आदेश पारित किए गए थे। पहले आदेश में आयोग ने आइआइएफटी को छिब्बर को रिकॉर्ड का निरीक्षण करने की अनुमति देने का आदेश दिया।

हालांकि, जनवरी 2016 के आदेश में आयोग ने संस्थान को उनके द्वारा उठाए गए सभी 27 बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी प्रदान करने का निर्देश दिया। आईआईएफटी ने सीआइसी को बताया कि छिब्बर कई आरटीआई दाखिल करने में लगे हुए हैं और बड़ी मात्रा में जानकारी और दस्तावेजों की मांग कर रहे हैं।संस्थान ने तर्क दिया कि छिब्बर द्वारा मांगी गई जानकारी की मात्रा अधिक है। हालांकि, अदालत ने उक्त तर्कों को खारिज कर दिया।

धौला कुआं में जगुआर कार ने कैब को मारी टक्कर, तीन लोग घायल

दिल्ली के धौला कुआं में रविवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक दिल्ली में धौला कुआं के पास एक तेज रफ्तार जगुआर कार ने कैब को टक्कर मार दी जिससे तीन लोग घायल हो गए। टक्कर में दो यात्री और कैब ड्राइवर घायल हुआ है। इन सभी को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली कैंट थाना इलाके में रविवार तड़के जैगुआर एक्सएफ कार चालक ने कैब को टक्कर मार दी। जिससे कैब चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज एम्स अस्पताल में चल रहा है। दिल्ली कैंट थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर कार चालक को पकड़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली कैंट थाना पुलिस को रविवार तड़के चार बजकर 55 मिनट पर जानकारी मिली थी कि तीन वाहनों की टक्कर हो गई है और तीन लोग घायल हो गए हैं। पुलिस कर्मी जब तक मौके पर पहुंचे तब तक घायलों को अस्पताल ले जाया जा चुका था। पुलिस कर्मी अस्पताल पहुंचे तो वहां पर कैब चालक शकरपुर के हरजीत सिंह समेत तीन लोगों का इलाज चल रहा था। यह कैब उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंद्रापुरम के सतीश शर्मा की है।

सीएम केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, आप ने जांच एजेंसियों की मंशा पर उठाए सवाल

सीएम केजरीवाल ने कहा है कि जब देश के अंदर देश के सबसे बड़ा चुनाव है संसद का चुनाव है प्रधानमंत्री को चुनने का चुनाव है। चुनाव आयोग द्वारा आचार संहिता की घोषणा की गई और उसके पांच दिन के अंतराल में इस देश की मुख्य विपक्षी एवं राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केजरीवाल को एक झूठे मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया गया।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा कि 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा उनकी गिरफ्तारी को दी गई चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई होनी है। इस संबंध में अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के समक्षएक हलफनामे के जरिए अपना पक्ष रखा है।

हलफनामे में केजरीवाल ने कहा है कि जब देश के अंदर देश के सबसे बड़ा चुनाव है, संसद का चुनाव है, प्रधानमंत्री को चुनने का चुनाव है। चुनाव आयोग द्वारा आचार संहिता की घोषणा की गई और उसके पांच दिन के अंतराल में इस देश की मुख्य विपक्षी एवं राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केजरीवाल को एक झूठे मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय केजरीवाल की गिरफ्तारी देश की सबसे मजबूत आवाज को दबाने की साजिश है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने लगाए आरोप

आप ने कहा कि ईडी और सीबीआई के बारे में केजरीवाल ने अपने हालतनामे में कहा है कि जांच एजेंसियों का काम होता है सच्चाई को कोर्ट के सामने रखना, मगर इसे छोड़ कर ये एजेंसियां किसी भी प्रकार से केजरीवाल को दोषी साबित करने में लगी हैं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर ये आरोप लगाया।

गौतमबुद्ध नगर में देर रात बदला मतदान प्रतिशत, फाइनल आंकड़ा जारी

परिवहन विशेष न्यूज

इस बार ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में बढ़चढ़कर हिस्सा नहीं लिया। कुछ स्थानों को छोड़ दिया जाए तो अन्य स्थान पर 50 प्रतिशत से कम मतदान हुआ। जिसका परिणाम गौतमबुद्ध नगर लोकसभा में महज 53 प्रतिशत मतदान के रूप में सामने आया। गुर्जर बहुल रामपुर फतेहपुर में सर्वाधिक 74.94 प्रतिशत त्यागी बहुल गांव में सर्वाधिक 65 व राजपूत बहुल गांव में सर्वाधिक 57 प्रतिशत मतदान हुआ।

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को हुए लोकसभा चुनाव में 53.21 नहीं, बल्कि 53.66 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से शनिवार को फाइनल आंकड़ा जारी किया गया है। देर रात तक पीठासीन अधिकारियों की ओर से आंकड़े आने के बाद गौतमबुद्ध नगर सीट पर 0.45 प्रतिशत मतदान में और बढ़ोतरी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में अभी भी मतदान प्रतिशत कम है। पांचों विधानसभा में 26,75,148 मतदाताओं में से 14,35,720 ने मतदान किया। पिछले लोकसभा चुनाव के सापेक्ष यह 6.83 प्रतिशत कम रहा।

2019 के लोकसभा चुनावों में 60.49 प्रतिशत वोट पड़े थे। सबसे अधिक 60.88 प्रतिशत मतदान सिकंदराबाद में हुआ। जबकि सबसे कम 46.97 प्रतिशत मतदान नोएडा में हुआ।

गौतमबुद्ध नगर की तुलना में बुलंदशहर में अच्छा हुआ मतदान

गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा नोएडा, जेवर और दादरी की अपेक्षा बुलंदशहर की आने वाली दो विधानसभाओं में अधिक मतदान हुआ है।

बुलंदशहर की दो विधानसभा में सिकंद्राबाद और खुर्जा में 59 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। जबकि गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा में जेवर को छोड़ दें तो 55 प्रतिशत भी मतदान नहीं हुआ।

यह पिछली बार के मुकाबले कम ही रहा। बुलंदशहर की दोनों विधानसभा में अच्छा मतदान नहीं होता तो गाजियाबाद से भी जिला पीछे रहता।

तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में ईवीएम, चप्पे-चप्पे पर नजर

कोतवाली फेज-दो स्थित फूल मंडी में ईवीएम और वीवीपैट को तीन स्तरीय कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। चप्पे-चप्पे को सीसीटीवी कैमरे में कैद किया गया है। सुरक्षा की जिम्मेदारी के लिए एक मजिस्ट्रेट और एक एसीपी स्तर के अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है, जो 8-8 घंटे बाद बदल जाएगी।

बैरिकेडिंग से 100 मीटर दूर तक कोई भी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर पाएगा। शुक्रवार देर रात तक पोलिंग पार्टियों ने फूल मंडी पहुंचकर ईवीएम और वीवीपैट जमा कराईं। विधानसभावार बने कक्षों में ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है।

पुलिस के अनुसार, यदि किसी प्रत्याशी को आशंका है कि स्ट्रांग रूम में कोई गड़बड़ी हो सकती है तो कंट्रोल रूम में किसी भी प्रत्याशी या उसके एजेंट जिला प्रशासन से अनुमति लेकर उसमें बैठकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले सकते हैं। शनिवार को सामान्य प्रेक्षक सिमरनदीप सिंह एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जिला प्रशासन तलाश रहा मतदान कम होने के कारण

जिला प्रशासन की ओर से मतदान कम होने के कारण तलाशे जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से मतदान बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम से जागरूकता फैलाई गई।

स्कूल, कॉलेज, सोसायटी में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किये गए। उसके बाद भी मतदान कम हुआ। आने वाले समय में जिले में मतदान कम न हो इसके लिए जिला प्रशासन रणनीति तैयार करने में जुट गया है।

स्क्रूटनी कर जांची स्ट्रांग रूम की सुरक्षा

मतदान के बाद सामान्य प्रेक्षक सिमरदीप सिंह व जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने लोकसभा क्षेत्र के मतदान प्रतिशत को लेकर फेज दो की फूल मंडी में राजनीतिक दलों के प्रत्याशी व प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्क्रूटनी की। अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में सामान्य प्रेक्षक को अवगत कराया। कम और अधिक मतदान वाले बूथों की जानकारी हासिल कर राजनीतिक दलों के प्रत्याशी और प्रतिनिधियों से वार्ता की। सहायक रिटर्निंग आफिसर, सेक्टर-जोनल मजिस्ट्रेट ने अपने-अपने क्षेत्रों के तकनीकी बिंदुओं से अवगत कराया।

गारमेंट्स फैक्ट्री में लगी आग दमकल की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के सेक्टर-65 के बी ब्लाक में देर रात लेदर गारमेंट्स बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस विभाग और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से फैक्ट्री में रखा लाखों रूपये का सामान जलकर खाक हो गया। फिलहाल पुलिस टीम आग लगने के कारणों का पता कर रही है।

नोएडा। सेक्टर-65 के बी ब्लाक में देर रात लेदर गारमेंट्स बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस विभाग और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

फेज-3 कोतवाली पुलिस का कहना है कि सेक्टर-65 के बी ब्लाक में देर रात उस वक्त अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। जब लेदर गारमेंट्स बनाने वाली फैक्ट्री की इमारत में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर दिया और कई अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

जैसे ही घटना की जानकारी लोगों तो उन्होंने घटना की सूचना पुलिस विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और दमकल विभाग की 15 गाड़िया मौके पर पहुंची। सबसे पहले आसपास की दुकानों को खाली कराया गया।

जिसके बाद दमकल विभाग के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। फिलहाल पुलिस टीम आग लगने के कारणों का पता कर रही है। आग से फैक्ट्री में रखा लाखों रूपये का सामान जलकर खाक हो गया।

नोएडा की महिलाएं पुरुषों से मतदान करने में निकली आगे, जिले में हुआ इतने प्रतिशत मतदान

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को हुए मतदान में नोएडा विधानसभा क्षेत्र में मताधिकारी का प्रयोग करने में महिलाएं पुरुषों से आगे रहीं। नोएडा विधानसभा में 345064 महिलाओं में से 162157 ने चुनाव का पर्वदेश के गर्व की प्रकिया में भाग लिया। कुल 46.99 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला। नोएडा क्षेत्र में ज्यादातर महिलाएं कामकाजी हैं फिर वह अपने अधिकार का इस्तेमाल करना नहीं भूली।

ग्रेटर नोएडा। जब महिलाओं को अधिकार मिलते हैं तो वह अपनी जिम्मेदारी निभाने में भी पीछे नहीं हटती है। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को हुए मतदान में नोएडा विधानसभा क्षेत्र में मताधिकारी का प्रयोग करने में महिलाएं पुरुषों से आगे रहीं। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर 53.66 प्रतिशत मतदान हुआ है।

46.99 प्रतिशत महिलाओं ने डाला वोट

नोएडा क्षेत्र में ज्यादातर महिलाएं कामकाजी है और अपने अधिकारों को लेकर जागरूक भी रहती हैं। इसके विपरीत संसदीय क्षेत्र के चार अन्य विधानसभाओं में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से पीछे रहा। नोएडा विधानसभा में 3,45,064 महिलाओं में से 1,62,157 ने चुनाव का पर्व,देश के गर्व की प्रकिया में भाग लिया। कुल 46.99 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला।

पुरुषों से महिलाएं 0.03 प्रतिशत रहीं आगे

वहीं पुरुष मतदाता महिलाओं से वोट डालने में पीछे रह गए। 46.96 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने ही वोट डाला। 0.03 प्रतिशत महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक वोट दिया। हालांकि वोट देने का अंतर अधिक नहीं है। फिर भी महिलाएं पुरुषों से आगे रही।

नोएडा में देश के हर कोने के लोग रहते है। यहां साक्षरता दर भी महिलाओं व पुरूषों की बहुत अधिक है। 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं नौकरीपेशा है। वहीं पुरुष भी मल्टीनेशनल कंपनियों में काम कर रहे हैं। उसके बाद भी महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में मतदान करने के लिए उत्साह कम रहा।

नोएडा में महिलाओं की तुलना में पुरुष मतदाता फिसड्डी साबित हुए। महिलाओं ने बढ़चढ़कर कर मतदान किया। हालांकि अन्य विधानसभा में महिलाएं वोट देने में पुरुषों से पीछे रहीं। पीछे रहने की एक वजह इन विधानसभा में ग्रामीण क्षेत्र का अधिक होना भी है। नोएडा विधानसभा में ग्रामीण क्षेत्र काफी कम है।

विधानसभा	महिला मतदाता	प्रतिशत	कुल पड़े वोट
नोएडा	345064	46.99	162157
दादरी	331773	50.56	167766
जेवर	169742	52.31	88800
सिकंद्राबाद	190169	57.72	109782
खुर्जा	187486	57.26	107365

विधानसभा	मतदाता	वोट पड़े	कुल पुरुष प्रतिशत
नोएडा	437796	46.96	205605
दादरी	397644	55.09	219070
सिकंद्राबाद	133209	63.76	208906
जेवर	200073	57.67	115401
खुर्जा	206376	61.32	126553

राष्ट्रहित में संकल्पित युवा शक्ति का मतदान

डॉ. निशा शर्मा

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव आते है और आज भारत विश्व में जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसमे युवाओं की महती भूमिका है। अर्थव्यस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, राजनीति, रणनीति, सुरक्षा कोई भी क्षेत्र आज युवाओं से अछूता नहीं है।

समाज में आज युवा-वर्ग भारत की हर राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्थिति, परिस्थिति और इसके साथ ही इन सभी में भारत की भूमिका को देखते हुए बहुत गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। अब वह समय नहीं जब युवा अपने सिलेबस से बाहर की बात कहकर अनदेखा कर दिया करता था बल्कि इसके उलट अब वह समाज में सामाजिक कार्यों से जुड़कर किस प्रकार की भूमिका हमारी होनी चाहिए ? इस बात पर विचार करता है।

भारत इन दिनों अपना सबसे बड़े और पावन पर्व का आयोजन बड़े धूमधाम से कर रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में भारत के नागरिक अपने राष्ट्र को अपने राष्ट्र को सशक्त और मजबूत सरकार देने के प्रयास में लगे हैं। सात चरणों में पूर्ण होने वाले इस वर्ष के लोकसभा के ये चुनाव देश के इतिहास के सबसे बड़े चुनाव होंगे। जिसमे से पहले चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है, शेष अभी बाकी हैं। बैसे तो 18 वर्ष के ऊपर के सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग करते ही हैं, परन्तु हम सभी जानते हैं कि भारत युवाओं का देश है, यंगिस्तान कहे जाने वाले अपने भारत में आज लगभग 66% युवा मतदाता हैं। मतदाताओं का ये प्रतिशत किसी भी राष्ट्र की दशा और दिशा बदलने के लिए पर्याप्त है। आज भारत का युवा पहले के मुकाबले अपने राष्ट्र के प्रति और अधिक जागरूक और सक्रिय हो गया है। इसका अंदाजा अपने इर्द गिर्द हो रही कुछ घटनाओं को देखकर लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए जैसे गतवर्ष महिला समन्वय की तरफ से ब्रज प्रान्त में महिला सम्मलेन और इस वर्ष उसी क्रम में तरुणी और युवा सम्मेलनों का आयोजन कई स्थानों पर कराया गया था। सम्मेलनों में संख्या विशेषकर युवा तरुणियों की बढ़ती संख्या इस बात की ओर इशारा तो कर रही थी कि कहीं न कहीं हमारा युवा मतदाता अपने राष्ट्र की उन्नति को लेकर बेहद संवेदनशील रवैया अपना रहा है। फैशन, कैरियर, टेक्नोलॉजी के साथ अब भारत का युवा अपनी संस्कृति और राष्ट्र के हित को लेकर भी जागरूक है। इस बात पर पक्की मुहर तब लग गयी जब चुनाव आयोग ने इस वर्ष के आकडे ज़ारी किये और उसमे मतदाता सूची के पुनरीक्षण में स्पष्ट किया गया कि 18 से 29 साल के आयु वर्ग में 2.63 करोड़ नये मतदाताओं ने पंजीकरण कराया है इसमें भी महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक रही। ये बड़े ही हर्ष का विषय है कि युवाओं विशेषकर महिलाओं में अपने राष्ट्र के प्रति ये विजन देखने को मिल रहा है।

समाज में आज युवा-वर्ग भारत की हर राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्थिति, परिस्थिति और इसके साथ ही इन सभी में भारत की भूमिका को देखते हुए बहुत गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। अब वह समय नहीं जब युवा अपने सिलेबस से बाहर की बात कहकर अनदेखा कर दिया करता था बल्कि इसके उलट अब वह समाज में सामाजिक कार्यों से जुड़कर किस प्रकार की भूमिका हमारी होनी चाहिए ? इस बात पर विचार करता है। किसी भी राष्ट्र को तभी पूरी दुनिया सम्मान से देखती है और सम्मान देती है जब वह अपनी संस्कृति, विरासत पर गर्व करते हुए आगे बढता है। यह बात अब भारत का युवा जान चुका है और इसमें कोई संदेह भी नहीं कि युवा ही हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं। आज भारत युवा शक्ति समपन्न राष्ट्र है, इतनी युवा शक्ति तो भारत के पास तब भी नहीं थी जब हमने आज़ादी पायी थी। ज़रा विचार कीजिये इतनी विशाल युवा-शक्ति यदि कुछ करने की ठान ले तो वह भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है। आज का युवा देश की तरक्की देख रहा है, सम्पूर्ण विश्व में भारत की साख पर गर्व भी महसूस कर रहा है। इसके साथ ही एक और शक्ति को भी अपने अन्तेमन में महसूस कर रहा है वो है भारत की आध्यात्मिक शक्ति। यह स्पष्ट है कि युवा शक्ति, आध्यात्मिक शक्ति को महसूस कर पूर्ण सम्मान के साथ उसका समर्थन भी कर रही है। ये दोनों विश्व की महानतम शक्तियां हैं और इतिहास साक्षी है कि जब जब दो पावन शक्तियों का संयोग हुआ है तब तब इतिहास रच गया है। यह हमारा सौभाग्य ही है कि ये दो महान शक्तियां केवल भारत के पास ही हैं।

विवेकानंद द्वारा रचित कर्मयोग में कर्म के रहस्य का ज्ञान का वर्णन किया गया है जिसमें सत्व, रजो और तम इन तीनों गुणों का सम्बन्ध मुख्यतः कर्मयोग से बताया गया है। कर्मयोग ही हमें यह शिक्षा देता है कि तीनो गुणों का उचित उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है, हम अपना कार्य अच्छी प्रकार कैसे करें साथ ही यदि हम लोग सुसंस्कृत, सुशिक्षित हैं तो हमें चिंतन, दर्शन, कला और विज्ञान में आनंद मिलता है इसके साथ ही धार्मिक चिंतन के अभ्यास में भी अलग ही आनंद है बल्कि स्वामी विवेकानंद जी ने तो अध्ययन के रूप में भी धर्म को अत्यंत आवश्यक माना है। क्योंकि यह सर्वविदित है कि युवा सहज ही चिंता, तनाव, अवसाद से घिर जाता है तब आध्यात्म ही सबसे उपयुक्त मार्ग है जिसके माध्यम से सकारात्मक सोच और रचनात्मक द्रष्टिकोण प्राप्त किया जा सकता है। आध्यात्मिक होने का मतलब ये कदापि नहीं कि आपको संन्यास की ओर ले जाया जा रहा है बल्कि आध्यात्म के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने का तरीका हमारे शास्त्रों में बताया गया है। आज का युवा भी इन्ही सब आध्यात्मिक बातों का निरंतर चिंतन करते हुए आगे बढ़ रहा है।

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव आते है और आज भारत विश्व में जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसमे युवाओं की महती भूमिका है। अर्थव्यस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, राजनीति, रणनीति, सुरक्षा कोई भी क्षेत्र आज युवाओं से अछूता नहीं है। इसी महती भूमिका का निर्वहन हमें मतदान वाले दिन भी करना है। राष्ट्र हित में दिया गया हमारा एक वोट एक शक्तिशाली राष्ट्र की गारंटी है। 66% जैसे बड़े प्रतिशत के साथ आध्यात्मिक शक्ति को साथ लेकर हम जो भी संकल्प ले लेंगे उसे रोकने की किसी में हिम्मत नहीं है। आज हमारे राष्ट्र को हमारे मत के रूप में हमारी आवश्यकता है। एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत को एक शक्तिसंपन्न सरकार देना भी हम युवाओं का ही उत्तरदायित्व है। आइये हम सभी संकल्प लें की लोकतंत्र के इस महान पर्व को उत्सव के रूप में मनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हुए हम सभी मतदान करेंगे और करवाएगें।

नोएडा में ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान फटी बैटरी, पिता-पुत्र झुलसे, बेटे की हो गई मौत

सेक्टर-27 स्थित अट्टा गांव में चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी से पिता-पुत्र गंभीर रूप से झुलस गए। उपचार के दौरान बेटे की मौत हो गई। जबकि पिता की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के एम्स में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित अट्टा गांव में चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी से पिता-पुत्र गंभीर रूप से झुलस गए। उपचार के दौरान बेटे की मौत हो गई। जबकि पिता की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के एम्स में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस का कहना है कि अट्टा गांव में रहने वाले मुन्नजीर अंसारी अपने पिता फारूक अंसारी के साथ शनिवार रात अपने ई-रिक्शा की बैटरी चार्ज कर रहे थे। अचानक ई-रिक्शा की बैटरी फट गई।

इस घटना में पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डाक्टरों ने रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे मुन्नजीर अंसारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि फारुक अंसारी की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मृतक मूलरूप से सीतामढ़ी बिहार के रहने वाले थे। वह सेक्टर 27 स्थित अट्टा गांव में किराये पर मकान लेकर रहते थे। विशेषज्ञों का कहना है कि ई-रिक्शा की बैटरी की फटने की कई वजहें हो सकती हैं। यह शायद पुरानी हो और अच्छे से मेंटेनेंस नहीं की गई हो।

ई-रिक्शा की बैटरी अधिक चार्जिंग की वजह से फट सकती है। इसके अलावा अगर ई-रिक्शा का चार्जिंग सिस्टम सही नहीं है, तो बैटरी को अधिक चार्ज हो जाती है, जिससे वह फट सकती है। बैटरी ना फटे इसके लिए जरूरी है कि पुरानी बैटरी को समय रहते बदल दे। बीच-बीच में सर्टिफाइड कंपनी और मैकेनिकल से जांच कराते रहें।

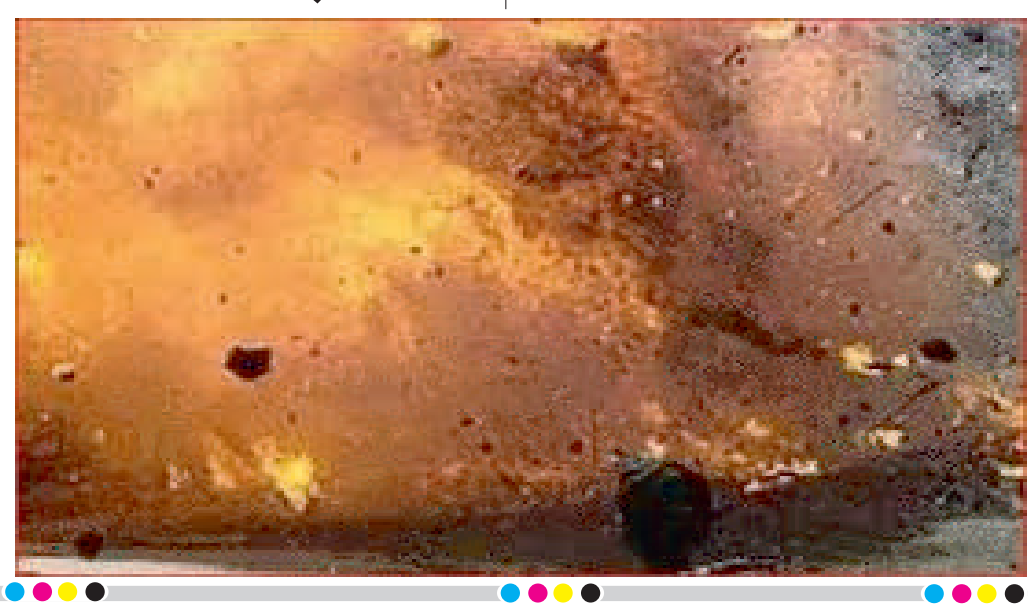

फुल चार्ज में दिल्ली से मनाली पहुंचेगी टाटा की नई कर्व ईवी, जानें कब हो सकती है लॉन्च

देश की प्रमुख वाहन निर्माता टाटा मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से Curvv EV को पेश किया जा सकता है। कंपनी इसमें कितनी दमदार बैटरी और मोटर दे सकती है। इसकी रेंज क्या होगी। इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Tata Motors की ओर से जल्द ही नई Electric SUV को लाने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से किस इलेक्ट्रिक एसयूवी को कब तक और कितनी रेंज के साथ भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

जल्द आएगी Tata Curvv EV

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टाटा की ओर से जल्द ही कर्व ईवी को भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। कंपनी की ओर से इसके प्रोडक्शन रेडी वर्जन को फरवरी 2024 में हुए भारत मोबिलिटी में शोकेस किया गया था। हालांकि वह इसका आईसीई वर्जन था, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसके आईसीई वेरिएंट के कुछ समय बाद कंपनी इसके इलेक्ट्रिक वर्जन को भी ला सकती है।

हो रही है टेस्टिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से अभी इस कूपे एसयूवी के इलेक्ट्रिक वर्जन की टेस्टिंग की जा रही है। एक बार टेस्टिंग पूरी होने के बाद ही इसके इलेक्ट्रिक वेरिएंट को पेश किया जाएगा। फिलहाल इसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। जिसमें इसके कुछ फीचर्स की जानकारी मिल रही है।

कैसे होंगे फीचर्स

कूपे एसयूवी का डिजाइन इसके आईसीई वेरिएंट और इलेक्ट्रिक पंच से मिलता हुआ होगा। जिसमें अग्रेसिव लोअर ग्रिल, स्प्लिट एलईडी हेडलाइट सेटअप, क्लैमशेल शेप का हुड होगा। इसमें स्पोर्टी अलॉय व्हील्स, एलईडी टेल लाइट्स और कर्व की तरह कूपे स्टाइल रूफलाइन होगी।

कितनी दमदार मोटर और बैटरी

कंपनी अपनी इस मिड साइज इलेक्ट्रिक कूपे स्टाइल एसयूवी में नेक्सन से बड़ा बैटरी पैक और मोटर देगी। जिसको फुल चार्ज के बाद करीब 500 किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा। जानकारी के मुताबिक इसमें 50kWh की क्षमता की बैटरी को दिया जा सकता है। इसके अलावा इसमें लगी मोटर से एसयूवी को 116 किलोवाट की पावर मिल सकती है। यह लिक्विड कूल्ड, आईपी-67 रेटिंग की क्षमता की बैटरी और मोटर के साथ आ सकती है। हालांकि कंपनी की ओर से अभी इसके बारे में किसी तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

किनसे होगा मुकाबला

कंपनी की ओर से कर्व के इलेक्ट्रिक वर्जन का सीधा मुकाबला जल्द आने वाली हुंडई क्रेटा ईवी, मारुति ईवीएक्स, सिट्रॉएन बेसाल्ट ईवी जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी से होगा। जानकारी के मुताबिक इस एसयूवी को कंपनी फेस्टिव सीजन के आस पास पेश कर सकती है।

कार के ये फीचर्स हैं लोगों के लिए खास, इनकी वजह से सफर हो जाता है सुरक्षित

आजकल की कारों में काफी कमाल के एडवांस फीचर्स आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि कौन-कौन से फीचर्स उनकी कार के लिए जरूरी है। इस खबर में पढ़ें कार के खास फीचर्स की पूरी जानकारी

देश के कार बाजार में आजकल एक से बढ़कर एक शानदार कार आ रही है। कार निर्माता अपनी गाड़ियों में कई एडवांस फीचर्स दे रहे हैं, ऐसे में कस्टमर्स को काफी बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। वहीं, कस्टमर्स भी कार खरीदने से पहले उसके फीचर्स की जानकारी हासिल करते हैं, खासकर सुरक्षा के लिए दिए गए फीचर्स के बारे में ज्यादा पूछताछ करते हैं। हालांकि, कस्टमर्स को कार की खूबियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। नीचे खबर में जानिए कार के कौन-कौन से फीचर्स काम के होते हैं।

कार के खास फीचर्स

एयरकंडीशनर- कार में मिलने वाला एसी कार को ठंडा रखने का काम करता है।

पावर विंडो और पावर लॉक-ये फीचर कार के दरवाजों और खिड़कियों को खोलने और बंद करने में आसानी पैदा करता है।

इंफोटेनमेंट सिस्टम- इस फीचर में एक स्टीरियों, गाने का सिस्टम और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी की सुविधा मिलती है।

पार्किंग सेंसर और कैमरा- ये फीचर ड्राइवर को गाड़ी पार्क करने में और ट्रैफिक के दौरान आसपास देखने में मदद करता है।

हीटिंग-ये फीचर ठंड के मौसम गाड़ी को अंदर से गर्म रखता है।

कार के सेफ्टी फीचर्स

सीटबेल्ट फीचर्स-ये फीचर किसी भी हादसे के दौरान यात्री को टकराने से रोकता है।

एयरबैग- ये फीचर कार के टकराने के समय गाड़ी में बैठे सभी लोगों को बचाने का काम करता है। कार के आगे की तरफ कम से कम दो एयरबैग होने चाहिए।

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस)- ये फीचर गाड़ी को फिसलन वाली सड़क पर ब्रेक लगाने के दौरान नियंत्रित करने का काम करता है।

इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी)- ये फीचर गाड़ी को पलटने से रोकने में मदद करता है। साथ ही सड़क पर कार की पकड़ मजबूत करता है।

टाटा मोटर्स ने बनाया नया रिकॉर्ड, फाइनेंशियल ईयर 24 में फाइल किए सबसे अधिक पेटेंट

घरेलू ऑटो दिग्गज ने दावा किया कि FY24 के दौरान 222 पेटेंट और 117 डिजाइन आवेदन दायर किए गए हैं। टाटा मोटर्स ने यह भी कहा कि उसे इस अवधि के दौरान 333 पेटेंट की परमिशन भी मिल चुकी है जो अभी तक सबसे अधिक है। वर्तमान में कंपनी के पास कुल 850 ऐसे पेटेंट हो चुके हैं जिन्हें परमिशन मिल चुकी है।

टाटा मोटर्स द्वारा जारी की गई एक प्रेस रिलीज के अनुसार, दायर किए गए पेटेंट और डिजाइन आवेदन प्रॉसेस और इनोवेशन के स्पेक्ट्रम में फैले हुए हैं। यह कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रिफिकेशन, सस्टेनबिलिटी, सेफ्टी (CESS) जैसे ऑटोमॉटिव ट्रेंड की तरफ ध्यान ले जाते हैं। इसके अलावा कंपनी के द्वारा पावरट्रेन, बॉडी और ट्रिम, सस्पेंशन, ब्रेक, एचवीएसी जैसी वाहन प्रणालियों के लिए भी पेटेंट फाइल किए गए हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लाने की ओर ध्यान दे रहा है। इसमें कंपनी की नई तकनीक अहम भूमिका निभा रही है।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने वित्तीय वर्ष में रिकॉर्ड पेटेंट फाइल किए हैं। कंपनी ने अपने इनोवेशन को सुरक्षित करने के मकसद से रिकॉर्ड-तोड़ संख्या में पेटेंट दायर करने की जानकारी दी है। घरेलू ऑटो दिग्गज ने दावा किया कि FY24 के दौरान 222 पेटेंट और 117 डिजाइन आवेदन दायर किए गए हैं।

टाटा मोटर्स ने यह भी दावा किया है कि उसे इसी अवधि के दौरान 333 पेटेंट की परमिशन भी मिल चुकी है, जो अभी तक सबसे अधिक है। वर्तमान में कंपनी के पास कुल 850 ऐसे पेटेंट हो चुके हैं जिन्हें परमिशन मिल चुकी है।

किस सेगमेंट पर है ध्यान

टाटा मोटर्स द्वारा जारी की गई एक प्रेस रिलीज के अनुसार, दायर किए गए पेटेंट और डिजाइन आवेदन प्रॉसेस और इनोवेशन के स्पेक्ट्रम में फैले हुए हैं। यह कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रिफिकेशन, सस्टेनबिलिटी, सेफ्टी (CESS) जैसे ऑटोमॉटिव ट्रेंड की तरफ ध्यान ले जाते हैं।

इसके अलावा कंपनी के द्वारा पावरट्रेन, बॉडी और ट्रिम, सस्पेंशन, ब्रेक, एचवीएसी जैसी वाहन प्रणालियों के लिए भी पेटेंट फाइल किए गए हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लाने की ओर ध्यान दे रहा है। इसमें कंपनी की नई तकनीक अहम भूमिका निभा रही है।

इनोवेशन पर कंपनी का फोकस

टाटा मोटर्स ने कहा कि सबसे ज्यादा पेटेंट फाइलिंग का कदम उनकी इनोवेशन के प्रति जिम्मेदारी को दिखाता है। इस माइलस्टोन के बारे में बात करते हुए टाटा मोटर्स के प्रेसीडेंट और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर Rajendra Petkar ने कहा कि रिसर्च और इनोवेशन के प्रति कंपनी हमेशा से काम करती रही है। उन्होंने नए इनोवेशन को ग्राहकों तक पहुंचाने का काम किया है।

रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट फाइलिंग दर्शाती है कि कंपनी ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए सबसे अधिक काम कर रही है। कटिंग एज टेक्नोलॉजी, ग्रीनर व्हीकल और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण हमें इंडस्ट्री में सबसे ऊपर दर्शाता है। जैसे-जैसे गतिशीलता विकसित हो रही है, टाटा मोटर्स भी उसी के अनुसार काम कर रही है।

500 सीसी से ज्यादा बड़े इंजन वाली बाइक्स की बिक्री कैसी रही, कौन सी बाइक्स बनीं भारतीयों की पसंद, जानें डिटेल

देश में हर महीने लाखों की संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन 500 सीसी और उससे ज्यादा की क्षमता वाली सुपर बाइक को भी काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक March 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी Super Bike Sale की गई हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में बड़ी संख्या में लोग Super Bike को चलाना पसंद करते हैं। सियाम की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान 500 सीसी और उससे ज्यादा क्षमता वाली बाइक्स की Sale कैसी रही। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

500 से 800 सीसी Bikes की कैसी रही बिक्री

500 से 800 सीसी Super Bike सेगमेंट में होंडा, कावासाकी, रॉयल एनफील्ड, सुजुकी और ट्रायम्फ की बाइक्स को ऑफर किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान इस सेगमेंट में Super Bike Sale पिछले साल के मुकाबले कम रही। 500 से 800 सीसी की बाइक्स की कुल 2618 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि इससे पहले मार्च 2023 के दौरान इसी सेगमेंट में कुल बिक्री 3855 यूनिट्स की थी। इस सेगमेंट में होंडा सीबीआर 650एफ, निंजा 650, सुपर मीटियोर 650, 650 ट्विन और स्ट्रीट ट्रिपल जैसी Super Bike आती हैं।

800 से 1000 सीसी बाइक्स

800 से 1000 सीसी बाइक सेगमेंट में कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स, ट्रॉयम्फ की बोनविले टी100 और स्पीड जैसी बाइक्स आती हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक बीते महीने में इस सेगमेंट में कुल 199 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 153 बाइक्स की बिक्री हुई थी।

एक हजार सीसी से ज्यादा बड़ी Super Bike

भारत में लीटर क्लास और उससे ऊपर के इंजन की क्षमता वाली बाइक्स की भी बिक्री होती है। हीरो मोटोकॉर्प हॉर्ले डेविडसन की बाइक्स की भारत में बिक्री करती है। जिनमें 1200 एक्स 48, नाइटस्टर, पैन अमेरिका, सुजुकी हायाबूसा और ट्रॉयम्फ की बोनविले बॉबर जैसी Super Bike की बिक्री होती है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 के दौरान भारतीय बाजार में इस सेगमेंट की कुल 39 बाइक्स की बिक्री हुई। जबकि पिछले साल मार्च 2023 में इस सेगमेंट की कुल बिक्री 64 यूनिट्स रही थी।

पुरानी के मुकाबले 2024 स्विफ्ट में मिलेंगे ये चार बड़े बदलाव, जानें डिटेल

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से जल्द ही भारतीय बाजार में 2024 Swift को पेश किया जा सकता है। डिजाइन फीचर्स इंजन और तकनीक के मामले में पुरानी के मुकाबले नई 2024 Swift में कंपनी की ओर से किस तरह के खास बदलाव किए जा सकते हैं। इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। हैचबैक सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कारों की लिस्ट में Maruti Swift भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक कंपनी जल्द ही इसकी नई जेनरेशन को लॉन्च कर सकती है। ऐसे में पुरानी Swift के मुकाबले नई 2024 Swift में किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कई बदलावों के साथ आएगी नई Maruti Suzuki Swift Facelift

मारुति की ओर से जल्द ही स्विफ्ट की नई जेनरेशन (Swift 4th Gen) को भारत में पेश किया जाएगा। इसके पहले कंपनी की ओर से इसकी नई जेनरेशन को जापान और यूरोप के कई देशों में पेश किया जा चुका है। जिसमें कई अहम बदलावों को किया गया है। कंपनी की ओर से अभी इसके बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अन्य देशों में नई स्विफ्ट में जो बदलाव किए गए हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि उन बदलावों के साथ ही भारत में भी नई स्विफ्ट को लाया जा सकता है।

2024 Swift के डिजाइन में होंगी ये खूबियां

मारुति की ओर से जल्द ही नई स्विफ्ट को भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। जिसमें पुरानी के मुकाबले कई बदलाव (Swift Facelift vs Prefacelift) देखने को मिलेंगे। जानकारी के मुताबिक पुरानी स्विफ्ट के मुकाबले नई स्विफ्ट में बंपर, फ्रंट ग्रिल, बोनट, हेडलाइट में बदलाव किए जा सकते हैं। इसके अलावा इसके एक्सटीरियर में रियर डोर का हैंडल सी-पिलर की जगह पारंपरिक जगह पर दिया जाएगा।

इंटीरियर में होंगे ये बदलाव

गाड़ी के इंटीरियर में भी कंपनी की ओर से कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। मौजूदा वर्जन में कंपनी की ओर से सिंगल टोन कलर को दिया जाता है। जबकि नए वर्जन में इसे ड्यूल टोन इंटीरियर के साथ लाया जा सकता है। इसके साथ ही इसमें नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, छह एयरबैग, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में हल्के बदलावों के साथ लाया जा सकता है।

लंबाई-चौड़ाई में होगा फर्क

पुरानी स्विफ्ट के मुकाबले नई स्विफ्ट के डायमेंशन में भी फर्क देखने को मिल सकता है। पुरानी के मुकाबले नई स्विफ्ट 15 एमएम लंबी, 30 एमएम ऊंची भी हो सकती है। ऐसा इसलिए समझा जा रहा है क्योंकि कंपनी ने भारत में नई स्विफ्ट को लॉन्च करने से पहले कई देशों में इसकी नई जेनरेशन को लॉन्च कर दिया है।

इंजन और तकनीक भी होगी बेहतर

मारुति की ओर से स्विफ्ट में नया इंजन और नई तकनीक को भी दिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक नई स्विफ्ट में कंपनी जेड सीरीज का नया 1.2 लीटर क्षमता का इंजन दे सकती है। जिसके साथ कंपनी हाइब्रिड तकनीक को भी देगी। इस तकनीक के साथ नई स्विफ्ट का एवरेज (Swift Facelift Mileage) पुरानी के मुकाबले काफी बेहतर हो जाएगा। इसमें 5स्पीड मैनुअल के साथ ही एएमटी का विकल्प भी दिया जा सकता है।

यदि दुख न हो तो सुख का अनुभव कैसे हो

मा . मोहन लाल
(पूर्व परिवहन मंत्री, पंजाब)

मनुष्य का संसार में आने का जानते हो क्या मकसद है? अधिक से अधिक सुख प्राप्त करना। मनुष्य की दो ही खोजें हैं-सुखों का भोग करना या उस पारब्रह्म को प्राप्त करना।

मनुष्य का संसार में आने का जानते हो क्या मकसद है ? अधिक से अधिक सुख प्राप्त करना। मनुष्य की दो ही खोजें हैं-सुखों का भोग करना या उस पारब्रह्म को प्राप्त करना। मनुष्य भागता चला जा रहा है सुख प्राप्ति के लिए। दूसरी ओर वैज्ञानिक, दार्शनिक, अध्यात्मवेता, सिद्ध, यति-सती, ऋषि-मुनि, साधु-संन्यासी, तत्ववेता, योगी-वैरागी, भक्त-संत यह सभी इसी खोज में हैं कि प्रभु हमें मिल जाए। परन्तु सब हार-थक कर बैठ गए. सुखों के पीछे भागने वाले भी हार थक कर बैठ गए। फिर भी वह प्रभु अगम्य है, अलख है, अगोचर है, अजन्मा है, सर्वव्यापक है, सर्वज्ञ है, सत्य है, नित्य है, सनातन है, अपार है, आदि अंत से परे हैं। वही कर्म है, वही कर्ता है और वही कर्मों के फलों को देने वाले हैं। मनुष्य उस ब्रह्म से बिछड़ा हुआ जीव है। उसे उस प्रभु की रजा में प्रसन्न रहना चाहिए। सुख-दुख मनुष्यों के कर्म हैं। यह सब सुख-दुख उस प्रभु की देन है। मुझे भी पता नहीं कि उस प्रभु का स्वरूप क्या है। करता और करावन हार वही है। वही सुखदाता है और वही दुखदाता है। परन्तु मनुष्य भ्रम, मोह, अज्ञान और अहंकार में डूबा हुआ न तो सदैव सुख को प्राप्त कर सका और न ही उस पारब्रह्म को पा सका।

मनुष्य भोग-विलासों के चक्करों में यह भी न जान सका कि उसे एक दिन इस संसार से जाना है। कालरूपी चूहा दिन-प्रतिदिन उसके जीवन को कुतर रहा है। जीवन की शाम प्रति क्षण ढल रही है। महल चौबारे, पुत्र-कलत्र, माई-बाप, धन-दौलत साथ नहीं जाएगी, सिकंदर महान खाली हाथ चला गया। कफन में जेब नहीं होती। जो कुछ दृश्यमान है, सब विनष्ट हो जाएगा। ईश्वर रहेगा, ईश्वर की बनाई सृष्टि संतुलन में रहेगी। काश ! हम न होंगे, पाठकगण ङ्घषचतन करो। मृत्यु मनुष्य की परम सखा है। दुख-सुख मनुष्य के संगी-साथी हैं। सुख आदमी को बिखेरता है और दुख समेटता है। दुख में मनुष्य की पहचान हो जाती है। शत्रु-मित्र का दुख में पता चल जाता है। सुख में जो कहते थे मरांगे नाल तेरे, दुख के दिन आए यारों का पता ही नहीं चला कि किधर गए? दुख में ही तो अंधेरे-उजालों की पहचान होती है। दुख रूपी रात आते ही मनुष्य की परछाईं भी उसका साथ छोड़ देती है। रहिमन विपदा हूं भली, जो थोड़े दिन होये हित-अनहित या जगत में जानी पड़त सब कोये।

अपने-पराए की पहचान तो दुख में होगी। स्मरण रखो दुख आदमी के अंतर्मन को शुद्ध और उज्ज्वल बनाता है। सोना आग में तप कर ही चमक पकड़ता है। दुख मनुष्य को साहसी और सुख आलसी बना देता है। आयुर्वैदिक चिकित्सा में एक शब्द आता है 'विरेचन' अंग्रेजी में 'पर्ज' कहते हैं। विरेचन रोगी को निरोग बनाने की एक प्रक्रिया है। विरेचन प्रक्रिया के बाद रोगी अपने आप में स्वस्थ अनुभव करता है। सुख में व्यक्ति स्वाथी और भोगवादी बन जाता है। श्री गुरु नानक देव का कथन सत्य है कि :

दुख दारू, सुख रोग भैया।

सुख रोग और दुख औषधि है। दुख में आदमी के धैर्य का पता चलता है। जीवन में यदि दुख न हो तो सुख का अनुभव कैसे होगा ? इच्छाओं, आशाओं का पूरा न होना दुख है और जीवन में ऐशो-आराम हो तो सुख। सुख-दुख मानसिक अवस्थाएं हैं। हां, मनुष्य का शारीरिक दुख जरूर वेदना पूर्ण होता है। सुख आदमी की भड़कन है और दुख मनुष्य को ईश्वर से जोड़ताहै। दुख में तौबा करता है और सुख में हंसी-विनोद रहता है। दुख से आत्मा शुद्ध होती है। दुख जोड़ता है और सुख बिखेरता है। दुख व्यक्ति को मांजता है। सुख-दुख मनुष्य के कर्मों का फल है। कर्मों के भोग से कोई भी प्राणी बच नहीं पाता। मुझे बीमारी के इस दौर में रामायण, गीता, बाईबल, कुरान और श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अध्ययन करने का दोबारा मौका मिला। चिंतन हुआ कि संसार रूपी भवसागर को पार करने का आधार केवल नाम रूपी जहाज है।

संत पुरुषों की संगत प्रभु से मेल करवाती है। शांत पुरुषों की चरणरज माथे पर लगाओ, यमराज का भय जाता रहेगा। मृत्यु अटल है। जो होकर ही रहना है उसे होने दो। सुख-दुख मनुष्य के बंधु और सखा हैं। सुख-दुख दोनों को समान करके जो मनुष्य जानता है वह मूर्त भगवाना। यह दुख ही तो है जो मनुष्य को महान बनाता है। ''त्यजम्न धैयं, विरुधपि काले'' विपरीत परिस्थितियों में जो डगमगाता नहीं वही भगवान बन जाता है। राम भगवान तब बने ? जब उन्होंने चौदह वर्ष जंगलों के कष्ट सहे। मैंने पहले ही निवेदन किया है कि दुख मनुष्य को मनुष्य से जोड़ता है। मुसीबत के चौदह वर्ष में राम के साथ केवट, श्रृंगवेर के राजा घोह, नल-नील, गिद्ध राज सम्पाती और जटायु आश्रम वासी, सिद्ध पुरुष, सुग्रीव, हनुमान, विभीषण, समुद्र, त्रिजटा इत्यादि सब जुड़ते चले गए और राम ने एक विशाल वानर सेना द्वारा रावण कुल का वध कर सीता को मुक्त करवा लिया।

सुग्रीव और विभीषण को अपने-अपने राज्य का राजा बना दिया। राम-सीता और लक्ष्मण जंगलों के दुखों को सहकर ही पूज्य बने। राम दुखों को चीरकर भगवान बन गए। भगवान कृष्ण का तो जन्म ही दुखों में हुआ। उनके माता-पिता जेल में, कृष्ण की 6 बहनों को जन्मते ही मार दिया गया। कृष्ण स्वयं जेल में पैदा हुए। कृष्ण भगवान सारी उम्र राक्षसों से लड़ते रहे। कहीं कालिया नाग को तो कहीं पूतना दाई से लड़ते रहे, संघर्ष करते रहे परन्तु उन्होंने धैर्य नहीं छोड़ा। अन्ततः महाभारत के युद्ध में विजयी बन कर उभरे और भगवान कहलाए। द्वारिकाधीश कहलाए। पांडवों ने भला, क्या-क्या कष्ट नहीं सहे। इन्हीं कष्टों को लांघ कर वह विजयी हुए।

गौतम बुद्ध यदि राज महलों के सुखों से जुड़े रहते तो उन्हें महात्मा बुद्ध कौन कहता ? उन्होंने दुनिया में सत्य जानने के लिए अपनी पत्नी, अपने नव जन्मे बच्चे और राज पाट का त्याग कर अपने जीवन को तप और तपस्या में तपा दिया। अन्न, जल, त्याग, बोद्धि वृक्ष के नीचे घोर कष्टों में पड़ कर ज्ञान प्राप्त कर किया। दुनिया में एक नए बुद्ध धर्म की स्थापना की। कष्टों को झेल कर ही तो वह महात्मा बुद्ध भगवान बुद्ध कहलाए। यदि गौतम राजा ही बने रहते तो उन्हें कौन पूछता ? यही क्यों ? जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी यदि राज्य का ही सुख भोगते रहते तो उन्हें कौन पहचानता ? जिस दिन महावीर जी ने राजपाट त्यागा, तप और तपस्या में अपने शरीर को गला दिया तो महावीर भगवान महावीर और जैन धर्म के संस्थापक कहलाए।

दुख, कष्ट मुसीबतें और विपरीत परिस्थितियों में जो न डगमगाए वही महान है। वही भगवान है। आज विश्व भगवान राम, भगवान कृष्ण, महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर जैन को पूजता है। इन सभी महापुरुषों ने दुखों को खड़े माथे स्वीकार किया। पारब्रह्म की रजा के आगे सिर झुका दिया और दुखों ने इन्हें भगवान बना दिया। विश्व का इतिहास दुखों से टकराने वालों से भरा पड़ा है। किंग ब्रूस एंड स्पाइडर की कहानी तो सभी ने पढ़ी होगी ? चौदह बार हार कर वह अंत में विजयी हुआ। यह ब्रूस ने किस से सीखा ? एक स्पाइडर से। जो बार-बार गिरती, परन्तु बार-बार पुनः चढने लगती।

अंत में चढने में सफल रही। किंग ब्रूस ने सीख ली और सफल हो गया। सिखों के 10वें गुरू श्री गोबिन्द सिंह जी को उनके अपने सिंह 'चालीस मुक्ते' संकट में छोड़ कर चले गए थे। तुलसी दास राम चरित मानस के रचयिता यदि अपनी पत्नी के व्यंग्य बाणों से घायल होकर घर बाहर न छोड़ते तो वह कभी महाकवि गोस्वामी तुलसीदास न कहलाते। भक्त शिरोमणि मीरा बाई की कोई पूछ न होती यदि वह महलों की रानी बनी रहती। मीरा ने अपने राजरानी पद को ठोकर मार साधु-संतों संग मिल कर प्रभु अनुगमिनी न बनी होती तो लोगों ने उसे कभी भी शिरोमणि मीरा बाई न पुकारा होता।

इसलिए निवेदन है दुखों में कभी 'हाय-हाय' न करो, रोओ मत। जो कुछ प्रभु ने दिया है उसे स्वीकार करो। दुख में किसी को दोष न दें और सुख में अहंकार न करे। करन-करावन अपने आपा रात आई है तो दिन भी आएगा। आज दुख है तो कल सुख भी आएगा। समय का पहिया घूमता रहता है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, घबराओ मत, आपको अपने दुखों की ङ्घषचता है। वह प्रभु सबकी ङ्घषचता करता है। हम लोग क्या थे जो रोते रहें ? हमारा गुम क्या हुआ है जिसे खोजते फिरें ? कर्म करना है, करते रहो। सबका भला मांगो। तेरा भी भला होगा। मलंग बने रहो। अंदर झांको, तुम्हारा शरीर एक मंदिर है। इसे साफ-सुथरा रखो। प्रभु भला करेगा।

संपादक की कलम से

गर्मी और शादी का मौसम कर रहा चुनावों को प्रभावित

यह न तो हिंदुत्व का उभार था और न ही किसी राजनीतिक दल की लहर, बल्कि 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान में शादी के मौसम में निहित गर्मी का असर उन राज्यों में 1 जून को समाप्त होने वाले बाकी 5 चरणों के दौरान भी जारी रह सकता है। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में पारा 45 सैल्सियस तक पहुंच गया है। दूसरे चरण का मतदान 89 लोकसभा सीटों के लिए हुआ और मौसम विभाग ने ई.वी.एम. के कामकाज को प्रभावित करने के अलावा 30 से अधिक सीटों पर लू की स्थिति की भविष्यवाणी की है, जो भारत के चुनाव आयोग के लिए चिंताजनक हो सकती है।

विवाह समारोहों को संपन्न करने के लिए अनुकूल तिथियों में परंपरा और विश्वास को देखते हुए, मई का महीना 2, 4, 8, 10, 11, 15, 16, 20, 21, 22 सहित शुभ दिनों (शुभ मुहर्त) से भरा हुआ है।, 27, 29, 30 और 1 जून, जिसके बाद 5 महीने की अशुभ अवधि नवंबर 2024 तक बढ़ जाएगी। ज्योतिषियों के अनुसार, 'गुरु उदय' 29 अप्रैल से शुरू होगा और लोग अप्रैल और मई में विवाह का आयोजन कर सकते हैं जिसमें मतदान की 2 तारीखें 20 मई (पांचवां चरण) और 1 जून (मतदान का अंतिम चरण) शामिल हैं।

उनका मानना है कि 'खरमास' 14 अप्रैल को समाप्त हो गया है, जिसके बाद 15 दिनों का अंतराल आता है। उनका तर्क है कि अप्रैल 2023 बृहस्पति की चाल के कारण विवाह समारोहों के लिए एक बुरा समय था। यह एक स्थापित तथ्य है कि संबंधित परिवार एक वर्ष या उससे अधिक पहले से शादी की योजना बनाते हैं। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, इन व्यस्तताओं और अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय कार्यों के मद्देनजर 7 चरण के मतदान की तारीखों को अंतिम रूप दिया गया है, लेकिन कई बार थकान अगले कुछ दिनों में मतदान करने के इरादे पर हावी हो सकती है।

2024 में किसी भी पार्टी की कोई लहर नहीं दिख रही

विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि 2014 की 'मोदी लहर' और 2019 के 'राष्ट्रवाद के बवंडर' के विपरीत, पहले चरण के मतदान के दौरान भाजपा के पक्ष में लहर गायब थी, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। गठबंधन द्वारा निर्धारित '400 सीटों' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभियान की गति को बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। 39 सीटों वाले तमिलनाडु में 2019 में 72.4 प्रतिशत के मुकाबले 67.2 प्रतिशत मतदान हुआ और राजस्थान में भी मतदान 64 प्रतिशत (2019) से घटकर 2024 में 57.3 प्रतिशत हो गया। पश्चिम बंगाल में मतदान 72 प्रतिशत दर्ज किया गया और यहां 3 से 4 प्रतिशत की गिरावट आई।

पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान

भाजपा-प्रभुत्व वाले पूर्वोत्तर राज्यों में भारी मतदान हुआ, जिनमें मेघालय में 74.5 प्रतिशत, मणिपुर में 69.2 प्रतिशत, असम में 72.3 प्रतिशत, अरुणांचल प्रदेश में 67.7 प्रतिशत और छोटे राज्य त्रिपुरा में 80.6 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा के पास राजस्थान और मध्य प्रदेश में मतदान प्रतिशत में गिरावट पर चिंतित होने का तर्क है, जहां वह मजबूत है और दोनों राज्यों पर शासन कर रही है। अग्निवीर योजना का सीधा नकारात्मक असर राजस्थान पर पडने के साथ ही किसानों के आंदोलन का भी असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मतदान में गिरावट की तुलना करने पर राजस्थान के गंगानगर, जोकि कृषि आंदोलन के केंद्रीय केंद्रों में से एक है, और झुंझुनू जैसे स्थानों में उल्लेखनीय कमी आई है, जहां महत्वाकांक्षी युवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अग्निपथ योजना से मोहभंग व्यक्त कर रहा है।

चिंतन

मोदी ने कांग्रेस का घोषणापत्र दोबारा लिखा

सद्भावना और सहयोग के एक अभूतपूर्व संकेत में, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वेच्छा से कांग्रेस के घोषणा पत्र को फिर से लिखने और अपने भीतर के विचारों को शामिल करने का काम अपने ऊपर ले लिया।

सद्भावना और सहयोग के एक अभूतपूर्व संकेत में, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वेच्छा से कांग्रेस के घोषणा पत्र को फिर से लिखने और अपने भीतर के विचारों को शामिल करने का काम अपने ऊपर ले लिया। उनका मानना है कि राजनीतिक विमर्श को समृद्ध करें। बीते सप्ताह के बारे में मैं जो सबसे परोपकारी व्याख्या दे सकता हूं वह यही है।इस विकास के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। 14 अप्रैल को, जब भाजपा का घोषणापत्र जारी किया गया था तो करीबी राजनीतिक पर्यवेक्षकों के लिए यह स्पष्ट था कि मोदी राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा भाजपा के लिए तैयार किए गए दस्तावेज से खुश नहीं थे।

समिति ने चुपचाप स्वीकार किया कि यह किसी राजनीतिक दल का घोषणा पत्र नहीं था, बल्कि एक व्यक्ति की प्रतिभा को श्रद्धांजलि थी जिसने 'पार्टी का आधार' बनाया था। समिति ने दस्तावेज को 'मोदी की गारंटी' कहकर उचित प्रणाम किया। हालांकि, जैसा कि मोदी ने सही अनुमान लगाया था, 'मोदी की गारंटी' रिलीज होने के कुछ ही घंटों के भीतर बिना किसी निशान के गायब हो गई। आज कोई भी भाजपा के घोषणा पत्र के बारे में बात नहीं करता, यहां तक कि मोदी भी नहीं। 'मोदी की गारंटी' शांति में है।

मूल पर टिप्पणी

मोदी 'मोदी की गारंटी' को रद्दी की टोकरी में नहीं डाल सकते और न ही मसौदा समिति को अक्षमता या बुरे इरादों के लिए जिम्मेदार ठहरा सकते हैं। अंत में, मोदी ने कांग्रेस के घोषणापत्र को अपनाने और दस्तावेज पर अपनी टिप्पणी के साथ इसकी दृश्यता और पाठक संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया। यह भारतीय साहित्य की महान परंपराओं के अनुरूप था जहां टिप्पणियां मूल कार्यों से अधिक महत्वपूर्ण हो गईं।

मोदी द्वारा कांग्रेस के घोषणापत्र की सजावट में निम्नलिखित रत्न शामिल थे

कांग्रेस लोगों की जमीन, सोना और अन्य कीमती सामान मुसलमानों में बांटेगी।

कांग्रेस व्यक्तियों की संपत्ति, महिलाओं के पास मौजूद सोने और आदिवासी परिवारों के पास मौजूद चांदी का मूल्य निर्धारण करने और उन्हें छीनने के लिए सर्वेक्षण कराएगी।

सरकारी कर्मचारियों की जमीन और नकदी कांग्रेस द्वारा जब्त और वितरित की जाएगी।

डा. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला दावा मुसलमानों का है और जब डा. सिंह ने यह बात कही तो मैं (मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में) मौजूद था।

कांग्रेस आपका मंगलसूत्र और स्त्रीधन छीन लेगी और उन लोगों को दे देगी जिनके अधिक बच्चे हैं।

अगर आपके पास गांव में घर है और आप शहर

में एक छोटा-सा फ्लैट खरीदते हैं, तो कांग्रेस उनमें से एक घर छीन लेगी और किसी और को दे देगी।

सहकर्मियों के बीच प्रतिस्पर्धा

मोदी के भरोसेमंद लैफ्टिनैंट और सलाहकार, अमित शाह ने कहा-कांग्रेस मंदिर की संपत्तियों को जब्त कर लेगी और उन्हें वितरित कर देगी। राजनाथ सिंह ने यह कह कर अपना योगदान दिया कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति हड़प लेगी और उन्हें घुसपैठियों को फिर से वितरित कर देगी। अगले दिन, सिंह ने एक और रत्न पेश किया-कांग्रेस ने सशस्त्र बलों में धर्म-आधारित कोटा शुरू करने की योजना बनाई।

जैसे-जैसे टिप्पणीकारों की संख्या बढ़ती गई और वे एक-दूसरे से आगे निकल गए, मोदी को पता चला कि कांग्रेस 'विरासत कर' लागू करने की योजना बना रही है और उन्होंने इस कर के खिलाफ आवाज उठाई। श्रीमती निर्मला सीतारमण इसमें कूद पड़ीं और विरासत टैक्स के विचार में अपनी बुद्धिमत्ता का योगदान दिया। उन्हें यह न जानने के लिए माफ किया जा सकता है कि संपत्ति शुल्क (एक प्रकार का विरासत कर) 1985 में कांग्रेस सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था और संपत्ति कर 2015 में भाजपा सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था।

यह देखना मुश्किल नहीं है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर समन्वित हमला क्यों और कब शुरू हुआ। 19 अप्रैल को पहले दौर के मतदान के बाद पी.एम.ओ. और भाजपा में घबराहट फैल गई है। मोदी ने 21 अप्रैल को राजस्थान के जालौर और बांसवाड़ा में हमला शुरू किया और यह रुका नहीं। उनके काल्पनिक लक्ष्यों की सूची विचित्र थी। उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों ने भी अंधाधुंध प्रहार किया। मीडिया का कत्र्तव्य था कि वह इस पागलपन को रोकने का आह्वान करे। इसके बजाय, समाचार पत्रों ने विवादास्पद विषयों की 'व्याख्या' की और विद्वान संपादकीय लिखे। टी.वी. चैनलों ने राजनीतिक पंडितों के साक्षात्कार प्रसारित किए और 'पैनल चर्चा' आयोजित की। मोदी द्वारा शुरू किया गया नकली युद्ध कई गुना बढ़ गया था।

क्या उम्मीद की जा सकती है

5 से 19 अप्रैल के बीच कांग्रेस का घोषणापत्र पूरे भारत में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गया था। वायदों ने खासकर लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ी थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जब कांग्रेस के घोषणापत्र को 'लोकसभा चुनाव का हीरो' बताया, तो वह निशाने पर आ गए। इससे मोदी अवश्य आहत हुए होंगे जिन्होंने दस्तावेज को खलनायक के रूप में चित्रित करने का निर्णय लिया। उनके दुर्भाग्य के लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र के किसी भी हिस्से को गलत नहीं ठहराया जा सका। इसलिए, मोदी ने एक भूत द्वारा लिखे गए घोषणापत्र की कल्पना करने और उसे रद्दी में डालने का फैसला किया। मेरे विचार से यह एक भाजपा प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस के वास्तविक घोषणापत्र को दी जाने वाली सर्वोत्तम श्रद्धांजलि है !

कांग्रेस को प्रधानमंत्री लोगों को यह बताने के लिए धन्यवाद कहना चाहिए कि अगर भाजपा (मोदी के नेतृत्व में) तीसरी बार जीतती है तो किस तरह की विकृतियां, झूठ और दुव्र्यवहार की उम्मीद की जा सकती है। घोषणापत्रों को दोबारा लिखने में सफलता हासिल करते हुए, नरेंद्र मोदी भारत के संविधान को फिर से लिख सकते हैं।

-पी. चिदम्बरम

देवेगौड़ा की बेटे के लिए प्रार्थना पार्टी के काम नहीं आई

तमिलनाडु आंध्र और तेलंगाना की राजनीति में शक्तिशाली क्षेत्रीय दलों का दबदबा है। केरल में भी, 2 गठबंधनों सी .पी .एम . के नेतृत्व वाले एल .डी .एफ . और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यू .डी .एफ . ने अपनी विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान बनाई है।

तमिलनाडु आंध्र और तेलंगाना की राजनीति में शक्तिशाली क्षेत्रीय दलों का दबदबा है। केरल में भी, 2 गठबंधनों सी.पी.एम. के नेतृत्व वाले एल.डी.एफ. और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यू.डी.एफ. ने अपनी विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान बनाई है। दक्षिणी राज्यों में, कर्नाटक बिल्कुल अलग गतिशीलता के साथ खड़ा है। आंध्र में द्रविड़ आंदोलन से पैदा हुई तेलुगू सशस्त्र जाति या तमिलनाडु में द्रमुक को एकजुट करने के लिए एन.टी. रामा राव के नेतृत्व में तेदेपा के विपरीत, कर्नाटक में राष्ट्रीय पाटूयों को चुनौती देने में सक्षम क्षेत्रीय दिग्गज का उदय नहीं हुआ है।

इसका एकमात्र क्षेत्रीय संगठन जद (एस) खुद को एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करने के लिए 25 वर्षों से संघर्ष कर रहा है, जब एच.डी. देवेगौड़ा ने अपने जनता दल गुट को जे.डी. (सैकुलर) नाम दिया था, और शरद यादव ने अपने धड़े को जे.डी. (यूनाइटेड) नाम दिया था। चुनाव आयोग ने अगस्त 1999 में दोनों को नए प्रतीक दिए और उस समय के लिए दोनों को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया। 2004 तक, जद (एस) एक क्षेत्रीय पार्टी थी, इसकी विशेष शृंखला की पहुंच कर्नाटक तक सीमित थी। जद (एस) ने तब से अस्तित्व के लिए संघर्ष किया है, जो कई मायनों में बेजोड़ है, लेकिन उसकी आंतरिक लड़ाइयों की संख्या बिना पक्ष की लड़ाइयों से कहीं अधिक है।

खासकर राजनीति में एक क्षेत्रीय पार्टी के रूप में जद (एस) कभी भी पूरे कर्नाटक में प्रभाव नहीं डाल पाया और केवल वोक्कालिगाओं के प्रभुत्व वाले दक्षिण में ही अपना दबदबा बनाए रखा। वोक्कालिगा समुदाय विधानसभा चुनावों में भी जद (एस) को एक सीमा से अधिक मदद नहीं कर सका, जहां पार्टी कभी दूसरे स्थान पर भी नहीं पहुंच पाई। 1990 और 2003 के बीच जद (एस) ने 1,273 उम्मीदवार खड़े किए, जिनमें से केवल 15 प्रतिशत विधायक बने, 56 प्रतिशत की जमानत जब्त हो गई। पार्टी का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2004 में अपने पहले विधानसभा चुनाव में आया, जब उसने 58 सीटें जीतीं। इस कदम से गौड़ा ने वह शुरूआत की जो बाद में उनकी पार्टी का अस्तित्व बन

गई।

लोकसभा चुनावों में जद (एस) का प्रदर्शन और भी कमजोर रहा है। 2014 में उसने जिन 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था उनमें से उसने सिर्फ 2 पर जीत हासिल की थी, 3 पर उसे नोटा से कम वोट मिले थे और 10 विधानसभा क्षेत्रों में नोटा और जद (एस) के बीच का अंतर निःसंदेह 5 प्रतिशत था। 2019 में उसने इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे के समझौते के अनुसार सिर्फ 6 सीटें, लेकिन जीत सिर्फ एक पर हुई। 2004 एक महत्वपूर्ण वर्ष था जब जद (एस) ने विधानसभा चुनावों में 58 सीटों पर जीत हासिल की। तब जद (एस) सिद्धारमैया को अपने चेहरे के साथ मतदाताओं के पास ले गया, जिन्हें कई लोग गौड़ा का उत्तराधिकारी मानते थे। सिद्धारमैया को कांग्रेस-जद (एस) की धर्म सिंह सरकार में डिप्टी सी.एम. बनाया गया था।

एच.डी.के. नाम से पहचान बनाने वाले कुमार स्वामी पहली बार विधायक बने थे। उन्होंने जनता दल के लिए 1996 का विधानसभा चुनाव जीता और उसके बाद के 2 लोकसभा चुनाव हार गए और 1999 का विधानसभा चुनाव हार गए। 2004 वह वर्ष भी था जब भाजपा ने यहां से अपनी सबसे अधिक 79 विधानसभा सीटें जीतीं। जब 2005 में गौड़ा ने सिद्धारमैया को निष्कासित कर दिया तो जद (एस) ने अपना दूसरा सबसे बड़ा राजनेता खो दिया। इसके तुरंत बाद अप्पमक्कल पक्ष (पिता पुत्र की पार्टी) की फुसफुसाहट एक उपनाम बन गई। गठबंधन चौराहा जब धर्म सिंह की सरकार गिर गई, तो जद (एस) ने भाजपा के साथ गठबंधन किया (2006)। एच.डी.के. सी.एम. बने और बी.एस. येदियुरप्पा डिप्टी सी.एम. बने, जिसे 20-20 की सत्ता सांझेदारी कहा गया- प्रत्येक 20 महीने के लिए सी.एम. शिप।

लेकिन एच.डी.के. ने समझौते का सम्मान नहीं किया, जिससे येदियुरप्पा के प्रति भारी सहानुभूति पैदा हुई। एच.डी.के. द्वारा पीठ में छुरा घोंपने से 2008 में 224 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा को 110 सीटें मिलीं। 2013 में सिद्धारमैया-जद (एस) ने भाजपा को 44 सीटों पर समेट दिया, कांग्रेस को 122 सीटें मिलीं। भाजपा ने 2018 में 104 के साथ वापसी की, परन्तु जादुई संख्या से पीछे रह गई। 2018 और 2023 के बीच कई मुख्यमंत्रियों ने पदभार संभाला। चुनाव के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन होता दिख रहा था, लेकिन जद (एस) को जीवनदान मिलने के बाद गठबंधन टूट गया, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी संयुक्त विफलता हुई।

परिवार के भीतर हासिल की गई सारी 'शक्ति' ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया क्योंकि सिद्धारमैया के बाहर निकलने के बाद कई लोग पार्टी छोड़कर चले गए। इस समय जद (एस) 3 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। देवगौड़ा परिवार से एच.डी.के.मांड्या से और वर्तमान में भतीजा प्रज्वल रेवन्ना, हासन से चुनाव लड़ रहे हैं।

परिवार का एक तीसरा सदस्य भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है। एच.डी.के. के बहनोई जाने-माने काॢडयोलॉजिस्ट सी.एन. मंजूनाथ का 26 अप्रैल को बेंगलुरु ग्रामीण में कांग्रेस के फायरफाइटर डी.के. शिव कुमार के भाई सुरेश से मुकाबला हुआ। भगवा पार्टी के साथ विलय की सुगबुगाहट के साथ कहा जाता है कि देवेगौड़ा इसका विरोध कर रहे हैं-2024 इस दक्षिणपंथी पार्टी के लिए अब तक का सबसे महत्वपूर्ण वर्ष हो सकता है। -चेतन कुमार

(साभार: टी.ओ.आई.)

ये 5 फैक्टर तय करेंगे, इस हफ्ते आपको शेयर मार्केट से नफा होगा या नुकसान

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले हफ्ते भारतीय शेयर मार्केट में लगातार बढ़त देखने को मिली। हालांकि आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को मुनाफावसूली के चलते गिरावट आई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाल निशान में बंद हुए। इस हफ्ते भी कई अहम इवेंट होने वाले हैं जो शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर मार्केट में लगातार बढ़त देखने को मिली। हालांकि, आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को मुनाफावसूली के चलते गिरावट आई। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों ही लाल निशान में बंद हुए। इस हफ्ते भी कई अहम इवेंट होने वाले हैं, जो शेयर मार्केट के उतार-चढ़ाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस हफ्ते बुधवार (1 मई) को महाराष्ट्र दिवस होने से ट्रेडिंग बंद भी रहेगी।

चौथी तिमाही के नतीजे

इस हफ्ते भी कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के नतीजे (Q4FY2024 earnings) आने जारी रहेंगे। इस दौरान BSE पर लिस्टेड 200 से अधिक कंपनियां नतीजों का एलान का करेंगी। सबसे ज्यादा नजर रहेंगी अदाणी ग्रुप (Adani Group) पर। इस हफ्ते अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी टोटल गैस, अदाणी पावर और अदाणी विलमर जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे आ सकते हैं।

साथ ही, कोटक महिंद्रा बैंक भी अपने नतीजों का एलान कर सकता है, जो रिजर्व बैंक (RBI) के बैन की वजह से फिलहाल चर्चा में है। टाटा ग्रुप की बात करें, तो उसकी टाइटन, टाटा केमिकल्स और टाटा टेक्नोलॉजीज के रिजल्ट आ सकते हैं। डाबर इंडिया और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के रिजल्ट भी इसी हफ्ते की उम्मीद है।

नतीजों पर प्रतिक्रिया

ICICI Bank, Yes Bank, RBL Bank और IDFC First Bank ने शनिवार को नतीजों का एलान किया था, जब मार्केट बंद था। ऐसे में निवेशक सोमवार को बाजार खुलने पर इन पर भी अपनी प्रतिक्रिया देंगे। साथ ही, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने मार्केट बंद होने से थोड़ा पहले रिजल्ट जारी किया था। उस पर भी मार्केट ठीक से रिस्पॉन्स नहीं दे पाया था। ज्यादातर बैंकों का प्रदर्शन अच्छा रहा। यस बैंक ने तो अपना मुनाफा 123 प्रतिशत बढ़ाकर एनालिस्टों को भी चौंका दिया।

कच्चे तेल (Crude Oil) का भाव

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड ऑयल की कीमतों भी मार्केट की चाल पर असर डालेंगी। भारत समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं और इसी वजह से ब्याज दरों में भी बदलाव करने से हिचक रहे हैं। इस हफ्ते भी मार्केट की मिडल ईस्ट के तनाव पर नजर रहेगी, जो तेल

की कीमतों को सबसे अधिक प्रभावित कर सकती है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत

पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मामूली बदलाव के साथ बंद हुआ था। हालांकि, इसने साप्ताहिक दर के हिसाब से अपनी सबसे दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। यह पिछले हफ्ते अपने ऑल-टाइम लो-लेवल से भी रिकवर कर चुका है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.31 के स्तर पर बंद हुआ। जानकारों का मानना है कि रुपया अभी थोड़ा और मजबूत हो सकता है। इस हफ्ते भी मार्केट की रुपये पर करीबी नजर रहेगी।

विदेशी निवेशकों की प्रतिक्रिया

अगर शुक्रवार की बात करें, तो फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) ने जमकर बिकवाली की। वहीं, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूटशनल इन्वेस्टर्स (DII) का पूरा फोकस खरीदारी पर रहा। इस हफ्ते भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में इन दोनों की अहम भूमिका रहेगी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड में रिसर्च के हेड संतोष मीणा का कहना है, 'वैश्विक मोर्चे पर यूएस फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (FOMC) मीटिंग 1 मई को होगी, जो शेयर बाजार के लिहाज से काफी अहम होगी। वहीं, अमेरिका के साथ चीन भी अपना इकोनॉमिक डेटा जारी करेगा। इन सभी घटनाओं पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।'

क्या एमडीएच के मसालों से हो सकता है कैंसर? जानें क्या कहा कंपनी ने

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले कुछ समय से भारतीय मसाला कंपनियों की दूसरे देशों में मुश्किलें बढ़ रही हैं। सिंगापुर और हांगकांग ने कथित तौर पर MDH और एवरेस्ट जैसे मशहूर भारतीय मसाला ब्रांड के कुछ प्रोडक्ट में कैंसर पैदा करने वाले तत्व पाए जाने के बाद प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि MDH ने अपने मसालों में किसी भी किस्म की गड़बड़ी के आरोपों को खारिज कर दिया है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से भारतीय मसाला कंपनियों की दूसरे देशों में मुश्किलें बढ़ रही हैं। सिंगापुर और हांगकांग ने कथित तौर पर MDH और एवरेस्ट जैसे मशहूर भारतीय मसाला ब्रांड के कुछ प्रोडक्ट में कैंसर पैदा करने वाले तत्व पाए जाने के बाद प्रतिबंध लगा दिया।

हालांकि, MDH ने अपने मसालों में किसी भी किस्म की गड़बड़ी के आरोपों को खारिज कर दिया। उसने अपने ग्राहकों को भरोसा दिलाया कि उसके उत्पाद पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

एथिलीन ऑक्साइड मिलाने का आरोप

पिछले दिनों सिंगापुर और हांगकांग ने MDH और एवरेस्ट ने कुछ प्रोडक्ट्स पर बैन लगाते हुए कहा था कि इनमें एथिलीन ऑक्साइड (ethylene oxide) का स्तर काफी ज्यादा है। ये इंसानों के खाने लायक नहीं हैं और इनका लंबे समय तक इस्तेमाल करने से कैंसर भी हो सकता है।

क्या एक्शन लिया है हांगकांग, सिंगापुर ने

हांगकांग ने व्यापारियों को निर्देश दिया है कि वे MDH के मद्रास करी पाउडर, एवरेस्ट फिश करी मसाला, एमडीएच सांभर मसाला मिक्स मसाला पाउडर और एमडीएच करी पाउडर मिक्स मसाला पाउडर ना बेचें। वहीं, उपभोक्ताओं को ये ना खरीदने

की सलाह दी गई है। सिंगापुर ने मसालों को वापस लेने का आदेश दे दिया है।

सफाई में क्या कहा MDH ने

MDH ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि कहा कि उसे हांगकांग और सिंगापुर के मसालों में गड़बड़ी के बारे में कोई नोटिस नहीं मिला है। वहीं, कुछ प्रोडक्ट्स में कथित तौर पर ETO (एथिलीन ऑक्साइड) की ज्यादा मात्रा को लेकर MDH ने कहा कि ये सभी दावे झूठे हैं, जिनका सपोर्ट करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

MDH को नहीं मिला नोटिस!

MDH ने यह भी कहा कि भारतीय मसाला बोर्ड और फूड रेगुलेटर FSSAI को भी अभी तक हांगकांग या सिंगापुर अधिकारियों से कोई नोटिस या टेस्ट रिपोर्ट नहीं मिली है। कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाते हुए दावा किया कि वह अपने मसालों की प्रोसेसिंग, पैकिंग या फिर स्टोरेज के दौरान एथिलीन ऑक्साइड (ETO) का इस्तेमाल नहीं करती।

Everest ने क्या कहा था?

एवरेस्ट ने भी 23 अप्रैल 2024 को एक बयान में अपने मसालों को पूरी तरह से सुरक्षित बताया था। कंपनी ने कहा था कि मसाला बोर्ड की प्रयोगशालाओं से जरूरी मंजूरी मिलने के बाद ही उसके प्रोडक्ट्स को निर्यात किया जाता है। एवरेस्ट के निदेशक राजीव शाह का दावा था कि सिंगापुर ने एवरेस्ट के 60 प्रोडक्ट्स में से सिर्फ एक को जांच के लिए रखा था।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम हुए जारी, चेक करें आपके शहर में क्या है फ्यूल रेट

देश की सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार 28 अप्रैल 2024 के लिए फ्यूल के रेट्स रिवाइज कर दिए हैं। आज भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। बता दें पेट्रोल-डीजल की कीमतें रोजाना अपडेट की जाती हैं। फ्यूल की कीमतें राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाला वैट की वजह से अलग-अलग होती हैं।

नई दिल्ली। रविवार, 28 अप्रैल 2024 के लिए देश की सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के रेट्स अपडेट कर दिए हैं।

लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, देश भर के अलग-अलग शहरों में आज भी फ्यूल की कीमतों को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। आपके शहर में पेट्रोल- डीजल को पुरानी कीमत पर खरीदा जा सकेगा।

बता दें, देश के घरेलू बाजारों में पेट्रोल- डीजल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर आधारित होती हैं। यही वजह है कि सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे फ्यूल की कीमतों को रिवाइज करती है। इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, देश के अलग-अलग शहरों में रेट्स इस प्रकार हैं-

चार महानगरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

नोएडा:पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम:पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु:पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़:पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

बैंक अकाउंट में कितना पैसा रखने की है छूट? इनकम टैक्स विभाग ने पकड़ा, तो क्या होगा?

डिजिटल बैंकिंग के साथ बैंक अकाउंट में पैसे रखने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। आज देश में करीब 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक अकाउंट है। ऐसे में आपको बैंक में पैसे जमा करने के नियमों की जानकारी होनी चाहिए। आइए जानते हैं कि बैंक में कितना पैसा जमा कर सकते हैं और पैसों का सोर्स नहीं बता पाने की स्थिति में क्या एक्शन लिया जा सकता है।

नई दिल्ली। एक वक्त था, जब लोग पारंपरिक बैंकिंग पर हद से ज्यादा निर्भर रहते थे। जब भी आधिकारिक छुट्टियों या फिर हड़ताल के चलते बैंक लगातार कई दिनों तक बंद रहने का एलान होता, तो पैसे निकालने के लिए बैंकों में लोगों की लंबी कतार लग जाती। लोग घंटों बाहर लाइन लगाकर खड़े रहते।

लेकिन, डिजिटल बैंकिंग का चलन बढ़ने के साथ लोगों की पारंपरिक निर्भरता कम हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में करीब 80 फीसदी से अधिक लोग (बालिग) बैंकिंग सिस्टम से जुड़े हैं। इससे हर कोई बैंक में पैसे भी रखने लगा है, क्योंकि उन पर लोगों का भरोसा होता है। सरकार के लिए भी जनता तक सुविधाएं पहुंचाना आसान हो गया है।

बैंक अकाउंट में ना सिर्फ आपका पैसा सुरक्षित रहता है, बल्कि आपको ब्याज भी मिलता है। कई बार लोग अपनी लाखों की बचत सेविंग अकाउंट में डाल देते हैं। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि आप सेविंग अकाउंट में कितना पैसा रख सकते हैं, ताकि आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के रडार पर ना आएं।

सेविंग अकाउंट की लिमिट

सेविंग अकाउंट में पैसे रखने की कोई लिमिट नहीं है। आप चाहे जितना मर्जी पैसा इसमें जमा कर सकते हैं। लेकिन, अगर आपको अकाउंट में जमा रकम इनकम टैक्स के दायरे में आती है, तो आपको उसकी आधिकारिक जानकारी देनी होगी। साथ ही, कमाई का स्रोत भी बताना पड़ेगा। अगर आप एक वित्त वर्ष में 10 लाख रुपये से अधिक बैंक में जमा करते हैं, तो उसकी जानकारी सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) को देना जरूरी है। यही लिमिट एफडी में कैश डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और शेयरों में निवेश पर भी लागू होती है।

पैसों का सोर्स नहीं बताया तो?

अगर आपने खातों में 10 लाख रुपये से अधिक जमा किया, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका सोर्स पूछ सकता है। अगर वह आपके जवाब से संतुष्ट हुआ, तो जांच भी कर सकता है। अगर जांच में आप पकड़े गए, तो भारी जुर्माना लग सकता है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट जमा रकम पर 60 प्रतिशत टैक्स, 25 प्रतिशत सरचार्ज और 4 फीसदी सेस लगा सकता है।

सेविंग अकाउंट में पैसे रखना सही है?

बचत खाते में मोटी रकम रखने का कोई मतलब नहीं। आप इस पैसे को शेयर बाजार या फिर म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं, जिसमें आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है। अगर आप जोखिम नहीं उठाना चाहते या फिर बैंक में ही पैसे रखना चाहते हैं, तो फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) करा सकते हैं। इसमें आपका भी सुरक्षित रहेगा और उस पर अच्छा रिटर्न भी मिल जाएगा।

क्या होती है पत्नी की 'निजी संपत्ति', जिस पर पति का भी नहीं होता हक

शादी के पत्नी को सुसराल पक्ष और मायके से साड़ी गहने समेत कई कीमती उपहार मिलते हैं। इन्हें स्त्रीधन कहते हैं और इस पर सिर्फ पत्नी का ही अधिकार होता है। इसे ससुराल पक्ष का कोई भी व्यक्ति भी जबरदस्ती नहीं ले सकता। आइए जानते हैं कि स्त्रीधन के मामले में महिलाओं के पास क्या अधिकार होते हैं और यह दहेज से कितना अलग है।

नई दिल्ली। शादी को काफी नाजुक बंधन माना जाता है। यह ऐसा रिश्ता है, जो दो लोगों की आपसी समझ से चलता है। अक्सर छोटी-मोटी को नजरअंदाज करना पड़ता है या फिर परिस्थितियों से थोड़ा-बहुत समझौता करना पड़ता है। लेकिन, कई बार मामला इतना बिगड़ जाता है कि अलगाव की नौबत आ जाती है।

ऐसे में जब महिला अपने जेवरात और शादी के बाद मिले दूसरे उपहार वापस मांगती है, तो कई बार ससुराल वाले मुकर जाते हैं। उन्हें लगता है कि ये उपहार तो उनके रिश्तेदारों से मिले हैं, तो उन पर बहू का हक कैसे हो सकता है। लेकिन, ऐसा है नहीं। और इस बात को सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है कि शादी के महिला को मिले उपहार उसकी 'निजी संपत्ति' है और उस पर किसी और का हक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

हालिया मामला केरल का है। पत्नी का आरोप था कि उसके पति ने शादी की पहली रात ही उसके सारे गहने यानी स्त्रीधन को लेकर सुरक्षित रखने के नाम पर अपनी मां को दे दिए। फिर मां-बेटे ने मिलकर उसके सारे गहने का इस्तेमाल अपना कर्ज चुकाने के लिए किया। अदालत ने महिला को आरोप सही पाया और पति को स्त्रीधन लौटाने का आदेश दिया।

अदालत ने कहा कि पति मुश्किल के समय पत्नी के स्त्रीधन का इस्तेमाल तो कर सकता है। लेकिन, यह उधार की सूरत में रहता है, जिसे पत्नी को लौटाना पति का दायित्व होता है। स्त्रीधन पर पति-पत्नी का संयुक्त अधिकार नहीं होता, बल्कि यह संपत्ति सिर्फ और सिर्फ पत्नी की होती है।

क्या होता है स्त्रीधन?

कानून की नजर में वे सभी चीजें स्त्रीधन हैं, जो पत्नी को शादी से पहले या शादी के उपहार के तौर पर मिलती हैं। जैसे कि साड़ी, गहने और किसी भी अन्य तरह का उपहार। इसमें प्रॉपर्टी तक भी शामिल है। इस बात का कोई मतलब नहीं कि ये चीजें बहू को मायके से मिली हैं या फिर ससुराल की तरफ से।

दहेज से कितना अलग है स्त्रीधन

दहेज और स्त्रीधन दो बिल्कुल अलग-अलग चीजें हैं। जहां दहेज लेना और देना, दोनों गैरकानूनी है, वहीं स्त्रीधन को कानूनन लिया और दिया जा सकता है। यह स्नेहमय उपहार होता है। यही वजह है कि इस पर महिला का पूरी तरह से अधिकार होता है और इसे कोई जबरन नहीं ले सकता।

स्त्रीधन पर क्या हैं महिलाओं के हक

- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत महिला को स्त्रीधन को रखने पूरा हक है। वह चाहे जैसे उसका इस्तेमाल कर सकती है। वह उसे किसी को भी दे सकती है या फिर बेच सकती है। ससुराल पक्ष, यहां तक कि पति का भी उस पर कोई अधिकार नहीं होता।

- अगर महिला ने अपने स्त्रीधन को ससुराल में किसी के पास रखा है, जैसे कि सास, ससुर या पति, तो वह उस स्त्रीधन का सिर्फ रखवाला माना जाएगा। जैसा कि केरल वाले में मामले में था। जब भी महिला अपने स्त्रीधन को वापस मांगेगी, तो उसे लौटाने से इनकार नहीं किया जा सकता।

- ससुराल पक्ष अगर महिला के स्त्रीधन को जबरन रख लेता है और मांगने पर नहीं लौटाता, तो महिला 'अमानत में खयानत' का केस कर सकती है। जैसा कि केरल मामले में पत्नी ने किया था। अगर महिला का पति से अलगाव होता है, तो वह ससुराल छोड़ते वक्त अपना स्त्रीधन कानूनन साथ ले जा सकती है।

यूपी बोर्ड की टॉपर प्राची पर शेविंग कंपनी को विज्ञापन देना पड़ा भारी, सोशल मीडिया यूजर्स ने कसे तंज

यूपी बोर्ड 10वीं के टॉपर्स में 98.50 % अंकों के साथ प्राची निगम ने टॉपर्स की लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवाया। परीक्षा में शानदार प्रदर्शन को लेकर प्राची की तस्वीर सामने आने के साथ ही एक नई बहस छिड़ गई है। प्राची के चेहरे पर नजर आए बालों की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर कई लोगों के नेगेटिव कमेंट्स मिले।

नई दिल्ली। हाल ही में यूपी बोर्ड के नतीजे आए हैं। यूपी बोर्ड 10वीं के टॉपर्स में 600 में से 591 अंक हासिल कर 98.50 % के साथ प्राची निगम (Prachi Nigam) ने टॉपर्स की लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवाया है।

हालांकि परीक्षा में शानदार प्रदर्शन को लेकर प्राची की तस्वीर सामने आने के साथ ही एक नई बहस छिड़ गई है।

प्राची (Prachi Nigam) के चेहरे पर नजर आए बालों की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर कई लोगों के नेगेटिव कमेंट्स मिले। इस कड़ी में एक शेविंग कंपनी (Bombay Shaving Company) सवालों के कटघरे में आ खड़ी हुई है।

क्या है प्राची निगम से जुड़ा पूरा मामला

दरअसल, प्राची निगम (Prachi Nigam) को ऑनलाइन ट्रोलिंग से बचाने के लिए इस शेविंग कंपनी (Bombay Shaving Company Ad) ने एक अभियान चलाया। कंपनी ने 'never get bullied campaign' के साथ प्राची के नाम का इस्तेमाल किया।

बॉम्बे शेविंग कंपनी (Bombay Shaving Company ad) ने एक अखबार के पहले पन्ने पर प्राची के नाम पर यह विज्ञापन पब्लिश करवाया। जिसके बाद यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

इस विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने प्राची को कंपनी पर मुकदमा करने की सलाह तक दे डाली।

क्यों भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

विज्ञापन (Bombay Shaving Company ad) में प्राची को लेकर एक मैसेज दिया गया था। कहा गया था कि रप्रिय प्राची, वे आज आपके बालों को ट्रोल कर रहे हैं, वे कल आपके A.I.R. (ऑल इंडिया रैंक) की तारीफ करेंगे। ठीक इस मैसेज के बाद कंपनी ने एक लाइन और जोड़ दी। कंपनी लिखती है कि हम आशा करते हैं कि आप हमारा रेजर इस्तेमाल करने के साथ कभी भी परेशान नहीं की जाएंगी।

'लोगों के हित के लिए ABHA आईडी को स्वास्थ्य पोर्टलों से जोड़ें राज्य', स्वास्थ्य सचिव की राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों से अपील

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय स्वास्थ्य खाता (आभा) आईडी को प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (निक्षय) जैसे विभिन्न स्वास्थ्य पोर्टलों से जोड़ने का आह्वान किया है। इस संबंध में सचिव ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को एक अन्य पत्र लिखकर जरूरी उठाने का अनुरोध किया है।

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आम लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय स्वास्थ्य खाता (आभा) आईडी को प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच), राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (निक्षय) जैसे विभिन्न स्वास्थ्य पोर्टलों से जोड़ने का आह्वान किया है। इस संबंध में सचिव ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को एक अन्य पत्र लिखकर जरूरी उठाने का अनुरोध किया है।

स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने बताया कि देश में तीन अप्रैल 2024 तक 5849.60 लाख आभा आईडी बन चुकी है। हालांकि, गैर संचारी रोगों (एनसीडी), आरसीएच, निक्षय और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के तहत आभा से जुड़े कुल लाभार्थी क्रमशः 827.99 लाख, 15.78 लाख, 2.46 लाख और 0.17 लाख हैं।

इससे स्पष्ट है कि राज्यों ने आईडी बनाने में तो बहुत रुचि ली लेकिन इन आईडी को स्वास्थ्य रिकॉर्ड को नहीं जोड़ने के कारण रोगियों सहित अन्य हितधारकों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में चंद्रा ने मौजूदा लाभार्थियों की आभा आईडी को विभिन्न स्वास्थ्य पोर्टलों से जोड़ने एवं प्रगति की अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करने का अनुरोध किया है।

बीजेपी का संकल्प पत्र विकसित भारत की गारंटी देता है, कांग्रेस के घोषणापत्र को राजनाथ सिंह ने बताया विभाजनकारी

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारा संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) एक नये सामर्थ्यवान और विकसित भारत की ठोस गारंटी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण से प्रेरित है।'' उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के शासन में हुए ''भ्रष्टाचार के खेल'' में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका थी।

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र एक नये और विकसित भारत की ठोस गारंटी है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित है। सिंह ने कहा कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान गरीबी उन्मूलन में नाकाम रही, जबकि (केंद्र की) नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले आठ-नौ साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने दावा किया, ''देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस के पास नेतृत्व, नीति और इरादा नहीं है। भाजपा सरकार भारत को 2027 तक विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारा संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) एक नये सामर्थ्यवान और विकसित भारत की ठोस गारंटी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र विभाजनकारी और तुष्टीकरण से प्रेरित है।'' उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के शासन में हुए ''भ्रष्टाचार के खेल'' में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका थी। सिंह ने कहा, ''कांग्रेस जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के समय से गरीबी उन्मूलन की बात करती रही है, लेकिन 50 साल शासन करने के बाद भी ऐसा करने में नाकाम रही। पिछले महज आठ-नौ साल में हमारी सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में सफल रही है।''

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मोदी सरकार अगले पांच-10 साल में देश से पूरी तरह से गरीबी का उन्मूलन करना चाहती है। सिंह ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव में गुजरात के सूरत से जीत की शुरुआत कर चुकी है, जहां पार्टी के मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए। इस सीट पर कांग्रेस के नीलेश कुम्भाणी का नामांकन पत्र खारिज हो गया था और अन्य उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिये थे। सिंह ने कहा, ''हालांकि, कांग्रेस दावा कर रही है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। इसका क्या आधार है? यहां तक कि इससे पहले भी, लोकसभा के 28 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए थे, जिनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, नेशनल कांफ्रेंस आदि के सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस हताशा में इस तरह की बात कह रही है।'' उन्होंने कहा, ''यह कांग्रेस ही है, जिसने आपातकाल लागू कर और कई बार राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाकर लोकतंत्र को खतरे में डाला।'' सिंह ने दावा किया लोकसभा चुनाव के शुरुआती दो चरणों में कम मतदान प्रतिशत इसलिए रहा कि 'इंडिया' गठबंधन के समर्थक मतदान केंद्रों पर नहीं पहुंच रहे हैं।

पुरी रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन भवन की सेंट्रिंग गिरा , दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गये

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर्: पुरी रेलवे स्टेशन पर लाधरन की घटना। रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन इमारत ढह गई है। जिससे इस हादसे में दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों कर्मियों को गंभीर हालत में सदर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर बचाव कार्य अभी भी जारी है।खबरों के मुताबिक रविवार को पुरी रेलवे स्टेट्स में एक हादसा हो गया। रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन भवन की सेंट्रिंग गिर गई है। जिससे उस समय काम कर रहे दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के तुरंत बाद बचाव दल को सूचित किया गया। मौके पर फायर ब्रिगेड, जीआरपी और आरपीएफ बल तैनात है। अब कुछ मजदूरों के फंसे होने की आशंका है।

वाल्मीकि तीर्थ लंगर कमेटी का 100 वा लंगर पूरा होने पर कमेटी के मुख्य संचालक कमल नाहर की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया

अमृतसर (साहिल बेरी) पंजाब के अलग-अलग जिलों से पहुंचे धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जहां कमल नाहर के इस प्रयास की सराहना की वहीं पर नाहर ने सहयोगी साथियों का धन्यवाद किया।इस अवसर पर सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल संत अशोक लंकेश, सनी सभरवाल, राजन गिल, सतनाम सिंह, गुलजार सिंह, जगरूप सिंह, महंत जगतार, महंत मनजीत गिरी, महंत करतार आदि उपस्थित थे। इस दौरान कमेटी द्वारा समागम में पहुंचे गणमान्य लोगों को भगवान वाल्मीकि चिंह की दोशाला व सिरोपे भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगत के लिए रंग-बिरंगे फकवानों का अटूट लंगर वितरित किया गया।

शिरोमणि अकाली दल के पार्टी प्रधान सुखबीर बादल ने बीबी जसविंदर कौर सोहल को शिरोमणि अकाली दल पार्टी में जरनल सकतर नियुक्त करके पार्टी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी

अमृतसर (साहिल बेरी) शिरोमणि अकाली दल के प्रधान स. सुखबीर सिंह जी बादल ने शहीदों की जत्थेबंदी शिरोमणि अकाली दल में जरनल सकतर नियुक्त किया। शिरोमणि दल, पार्टी के सम्मानित नेतृत्व के साथ-साथ पार्टी द्वारा की गई सेवाओं के लिए मैं तहे दिल से आभारी हूं, जिनके मार्गदर्शन में और पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर वे सेवाएं दे पाए हैं। पंथ और पंजाब अब तक गुरु साहिब जी को विशेष धन्यवाद। हम श्री अकाली दल की ताकत और पार्टी अध्यक्ष एस. सुखबीर सिंह बादल के दृढ़ संकल्प को महान समर्थन देकर सफल करेंगे।

जर्मनी से वापस आएंगे चोल साम्राज्य के 1300 वर्ष पुराने ताम्र पत्र, शासकों ने शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य का किया था निर्माण

परिवहन विशेष न्यूज

चोल साम्राज्य (Chola Empire) से जुड़े वे ताम्र पत्र देश में वापस आएंगे जो 1300 साल पुराने हैं। इन ताम्र पत्रों पर राजाज्ञा लिखी हुई हैं। ये जर्मनी के लाइडन विश्वविद्यालय (Leiden University) में मौजूद हैं। ये अंग्रेजों के शासन के समय भारत से जर्मनी में ले जाए गए थे। मगर चोरी करके नहीं गए थे। भारत सरकार इन्हें वापस लाने के लिए गंभीर है।

नई दिल्ली। चोल साम्राज्य (Chola Empire) से जुड़े वे ताम्र पत्र देश में वापस आएंगे, जो 1300 साल पुराने हैं। इन ताम्र पत्रों पर राजाज्ञा लिखी हुई हैं। ये जर्मनी के लाइडन विश्वविद्यालय (Leiden University) में मौजूद हैं। ये अंग्रेजों के शासन के समय भारत से जर्मनी में ले जाए गए थे। मगर चोरी करके नहीं गए थे। भारत सरकार इन्हें वापस लाने के लिए गंभीर है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को इस पर काम करने के निर्देश दिए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद इन्हें वापस लाने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। यह पहल तमिलनाडु सरकार के अनुरोध पर हो रही है। तमिलनाडु सरकार ने इन ताम्र पत्रों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया था। जर्मनी की सरकार इन्हें वापस देने के लिए राजी हो गई है। नवंबर से दिसंबर तक इनके वापस आने की उम्मीद है।

चोल शासकों ने शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य का निर्माण

बता दें कि चोल प्राचीन भारत का एक राजवंश था। भारत और पास के अन्य देशों में तमिल चोल शासकों ने नौ वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी के बीच एक अत्यंत शक्तिशाली हिन्दू

साम्राज्य का निर्माण किया था। राजराजा चोल उस समय के प्रतापी राजा हुए हैं।

उस समय के ताम्र पत्र हैं। उत्तर भारत के लोगों में चोल राजवंश को लेकर फिल्म "पोन्नियन सेल्वन" के रिलीज के बाद जिज्ञाषा बढ़ी है। 2022 में यह फिल्म तमिल के अलावा हिंदी, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगू में रिलीज हुई थी।

कावेरी नदी किनारे हुई चोल साम्राज्य की स्थापना

चोल साम्राज्य वर्तमान भारत के तमिलनाडु, केरल, ओडिशा से लेकर मालदीव, श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों तक फैला हुआ था। देश विदेश के कई इतिहासकारों ने चोल साम्राज्य के बारे में लिखा है। इस साम्राज्य की स्थापना कावेरी नदी के किनारे हुई थी।

चोल राजाओं का सिक्का कई देशों में चलता था। नौवीं से 13वीं शताब्दी के बीच चोल साम्राज्य मिलिटरी, पैसे, लिटरेचर, संस्कृति और कृषि के मामले में काफी तरक्की कर चुका था। चोल साम्राज्य के सबसे मशहूर शासक राजराजा प्रथम ने कलिंग (ओडिशा), सिलान (श्रीलंका) और मालदीव तक फैला दिया था।

राजराजा प्रथम ने ही चोल साम्राज्य की राजधानी तंजौर में मशहूर बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया था। कांजीवरम में बनने वाली मशहूर सिल्क की साड़ी, कांचीपुरम का मंदिर और तमिल संस्कृति का संगम काल भी चोल साम्राज्य के समय में हुए थे। तमिल के अलावा हिंदी, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगू में रिलीज की जाएगी।

अनंतनाग लोकसभा सीट के एनपीपी प्रत्याशी ने अपने प्रचार के लिए पिता से लिये पैसे

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से नेशनल पैंथर्स पार्टी के प्रत्याशी अरशद अहमद लोन ने कहा है कि उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए पिता से पैसे लिये हैं। अहमद लोन इस सीट से चुनाव मैदान में उतरे 20 उम्मीदवारों में लोन निर्धनतम उम्मीदवार हैं और उनका मुकाबला पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती से है।

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से नेशनल पैंथर्स पार्टी (एनपीपी) के प्रत्याशी अरशद अहमद लोन ने कहा है कि उन्होंने चुनाव प्रचार के वास्ते पिता से पैसे लिये हैं। इस सीट से चुनाव मैदान में उतरे 20 उम्मीदवारों में लोन निर्धनतम उम्मीदवार हैं और उनका मुकाबला पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मंत्री अल्ताफ अहमद जैसे बड़े नेताओं से है। निर्वाचन आयोग के समक्ष पेश किये गये हलफनामे के अनुसार लोन ने घोषणा की है कि उनकी कोई आय और संपत्ति नहीं है, लेकिन उनपर 2.60 लाख रुपये की देनदारी है।

यह रकम उन्होंने कुछ साल पहले वाहन के लिए उधार ली थी। पिछले पांच सालों में उन्होंने कोई रिटर्न भी फाइल नहीं की है। शोपिया जिले के निवासी लोन (28) ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरी कोई आय नहीं है ओर मैं अपने चुनाव प्रचार के वास्ते धन के लिए अपने पिता पर आश्रित हूं।'' लोन के पिता गुलाम मोहम्मद लोन के पास सेव का आधे एकड़ का बागान है, जो इस परिवार के लिए आय का एकमात्र स्रोत है। एनपीपी प्रत्याशी ने कहा कि यदि वह निर्वाचित हो जाते हैं तो वह लोगों की सेवा तथा इस निर्वाचन क्षेत्र के बेरोजगारी के मुद्दे का समाधान एवं विकास की जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं।

लोन ने कहा, ''हर साल देश में हजारों परियोजनाएं शुरू की जाती हैं। यदि मैं 10 परियोजनाएं भी शुरू करवा पाता हूं तो यह पासा पलटने वाला होगा। परियोजनाओं से रोजगार पैदा होंगे तथा युवा व्यस्त होंगे। तब कश्मीर में कोई पत्थर फेंकने वाला या आतंकवादी नहीं होगा।'' कुलगाम जिले के 33 वर्षीय सजाद अहमद डार भी 'वर्तमान राजनीतिक दलों का दबदबा' खत्म करने की आस से चुनाव मैदान में उतरे हैं। डार के पास आय का कोई नियमित स्रोत नहीं है और कोई अचल संपत्ति भी नहीं है। उनपर 2014 में एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

मुस्लिम युवाओं में IAS-IPS बनने का ट्रेंड बढ़ा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। बीते 8 साल में इस साल सबसे ज्यादा सफल मुस्लिम युवा यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा क्रैक करने में हुए सफल। 10 सालों में इन युवाओं में आईएएस-आईपीएस जैसे अफसर बनने का क्रेज काफी बढ़ा है। मुस्लिमों में शैक्षिक स्थिति में थोड़े सुधार का असर सिविल सेवा जैसी परीक्षाओं में कामयाबी पर भी पड़ा है। देश में आईएएस-आईपीएस जैसे उच्च पदों पर अब ज्यादा संख्या में मुसलमान काबिज हो रहे हैं। इससे पहले आम तौर पर यह माना जाता रहा है कि आजादी के 75 साल बाद भी शैक्षिक रूप से मुस्लिम पिछड़े हैं और देश के रसूखदार पदों पर उनकी मौजूदगी ना के बराबर थी। यह बात 2016 तक काफी हद तक हकीकत के करीब थी, मगर अब ऐसा नहीं है। हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग की जारी सिविल सर्विसेज मेरिट लिस्ट, 2023 में 50 से ज्यादा मुस्लिम कैंडिडेट्स ने जगह पाई है। इनमें से 5 तो ऐसे हैं, जिन्हें टॉप-100 में जगह मिली है। उल्लेखनीय है कि शाह फैसल ने 2010 में आईएएस टॉप करके कश्मीरियों समेत पूरे देश के मुस्लिम युवाओं को प्रेरणा दी थी। इसके बाद 2015 में कश्मीर के अतहर आमिर ने यूपीएससी में दूसरी रैंक हासिल की थी। वहीं, 2017 में मेवात के अब्दुल जब्बार भी चयनित हुए थे। वे इस क्षेत्र से पहले मुसलमान सिविल सर्वेंट हैं। और अब 2023 में दिल्ली से पढ़ाई करने वालीं नौशीन ने सिविल सेवा परीक्षा में 9वीं रैंक हासिल की है, जो मुस्लिम समुदाय के लड़के-लड़कियों को देश की सर्वोच्च सेवा में सफल होने के लिए राह दिखा रहीं है।52 मुस्लिम कैंडिडेट्स हुए सफल सिविल सेवा परीक्षा, 2023 में कुल सफल 1,016 अभ्यर्थियों में से 52 मुस्लिम कैंडिडेट्स ने जगह बनाई। इनमें से 5 रूहानी, नौशीन, वारदाह खान, जुफिशान हक और फैबी राशिद ने टॉप-100 में जगह बनाने में कामयाब रही। टॉप-10 में नौशीन को 9वीं रैंक मिली है। 2012 में 30 और 2014 में 36 मुस्लिम ही बने थे अफसर मुस्लिम युवाओं का सिविल सेवाओं के प्रति रुझान हाल के वर्षों में बढ़ा है। 2012 में सिविल सेवाओं में सफल मुस्लिम कैंडिडेट 30 थे। वहीं, 2013 में सफल मुस्लिम कैंडिडेट 34, 2014 में 38, जबकि 2015 में 36 थे। उस वक्त भी मुस्लिम युवाओं की सफलता दर तकरीबन 5 फीसदी थी। इससे पहले 2022 की सिविल सेवा परीक्षा में कुल 933 अभ्यर्थी आईएएस-आईपीएस और केंद्रीय सेवाओं के लिए चुने गए थे। इनमें से महज 29 कैंडिडेट्स मुस्लिम कम्युनिटी से थे। जो कुल सफल लोगों में से करीब 3.1 फीसदी रहे। इस बार यानी 2023 की सिविल सेवा परीक्षा में 51 मुस्लिम कैंडिडेट्स सफल रहे, उनका कुल सफल लोगों में प्रतिशत 5 फीसदी से ज्यादा ही रहा है। सच्चर कमेटी ने भी अफसरशाही में मुस्लिमों की हिस्सेदारी पर की थी बात

सच्चर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट नवंबर, 2006 में सौंपी थी, जिसमें यह कहा गया था कि मौजूदा वक्त में 3,209 आईपीएस ऑफिसर हैं, जिनमें से 128 यानी करीब 4 फीसदी ही मुस्लिम हैं। वहीं, जनवरी, 2016 में सेवारत 3,754 आईपीएस ऑफिसरों में से

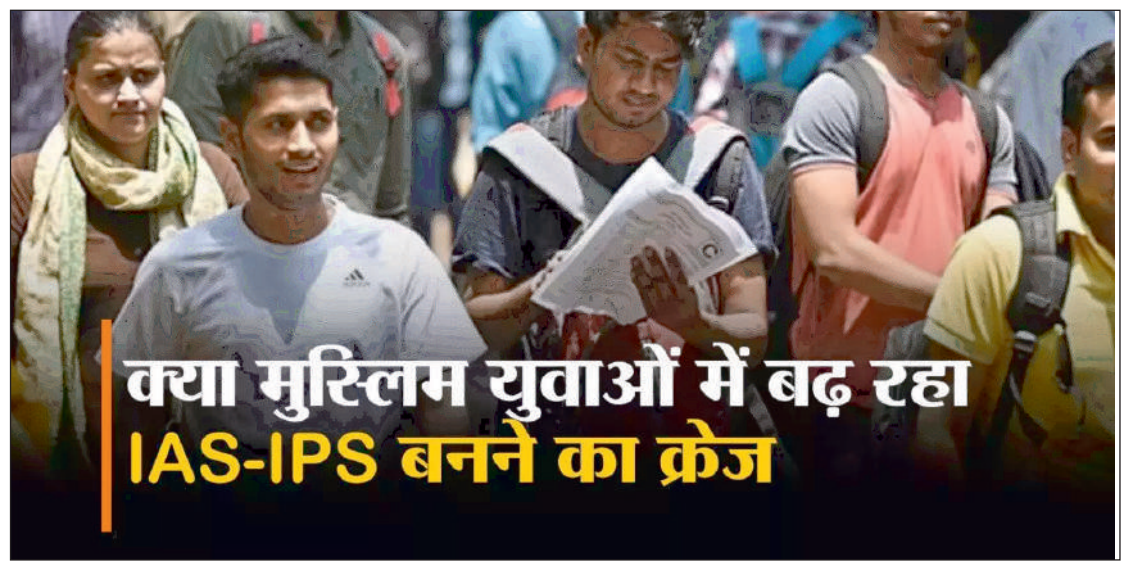

120 यानी कुल का 3.19 फीसदी ही मुस्लिम ऑफिसर थे।देश में मुस्लिमों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन का हाल जानने के लिए कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार ने जाने-माने मानवाधिकार समर्थक जस्टिस राजिंदर सच्चर की अगुवाई में 2005 में सच्चर कमेटी गठित की थी। इस कमेटी की 403 पन्नों की रिपोर्ट लोकसभा में 30 नवंबर, 2006 को पेश की गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि एससी, एसटी और अल्पसंख्यक आबादी वाले गांवों और आवासीय इलाकों में स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, सस्ते राशन की दुकान, सड़क और पेयजल जैसी सुविधाओं की काफी कमी है। यहां तक कि मुस्लिम समुदाय की हालत अनुसूचित जाति और जनजाति से भी खराब है। 2006 में प्रशासनिक सेवाओं में मुस्लिमों की भागीदारी काफी कम रही थी। उस वक्त देश में 3 फीसदी आईएएस, 4 फीसदी आईपीएस ही मुसलमान थे। वहीं, पुलिस फोर्स में मुस्लिमों की हिस्सेदारी 7.63 फीसदी, जबकि रेलवे में महज 4.5 प्रतिशत थी। उस वक्त कुल सरकारी नौकरियों में मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व महज 4.9 फीसदी ही था। सच्चर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया था कि मुस्लिमों के बीच शैक्षिक रूप से पिछड़ापन है। खास तौर पर हायर एजुकेशन के मामले में भी मुस्लिम काफी पीछे रहे हैं। इस वजह से सिविल सेवाओं में भी उनकी भागीदारी मामूली रही है। अब चूंकि उनकी प्राइमरी, सेकेंडरी लेवल और हायर एजुकेशन में भागीदारी बढ़ी है तो नतीजा उच्च पदों पर कामयाबी के रूप में भी दिख रहा है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन इन इंडिया (2018-19) के अनुसार, हायर एजुकेशन के मामले में मुस्लिम स्टूडेंट्स की भागीदारी 5.2 फीसदी रही। यह स्थिति अनुसूचित जाति (5.5%) और अनुसूचित जाति (14.9%) से काफी कम है। यह स्थिति तब है, जब भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, अनुमानित रूप से मुस्लिमों की आबादी 17.22% थी। ऐसे में स्कूली शिक्षा में मुस्लिमों की भागीदारी बढ़ानी होगी, तभी उनकी हर क्षेत्र में तरक्की की राह खुलेगी।

उडीशा मे राहुल गांधी , बीजेपी और बिजेड़ी पार्टी को निशाना साधा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर्: राहुल गांधी ने ओडिशा का दौरा किया है। राहुल विशेष विमान से भुवनेश्वर के बीजू पटनायक हवाईअड्डे पहुंचे। वहां से वह सीधे उत्कल गुरुराम महासूदन दास जन्मस्थली सथवामापुर पहुंचे और मधुबाबू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। बाद में राहुल गांधी ने वहां से 10 किलोमीटर दूर सालेपुर में एक जनसभा को संबोधित किया।राहुल गांधी ने सबसे पहले सालेपुर विधानसभा में मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा, नवीन कुछ लोगों के साथ मिलकर यहां सरकार चला रहे हैं। सिर्फ चंद लोग फायदा उठा रहे हैं. कांग्रेस तेलंगाना में बीजेपी-बीआरएस गठबंधन लेकर आई। जब चुनाव हुए तो बीआरएस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। यहां बीजेपी-बीजेडी सामने आ गई है। यहां दो लोग एक साथ हैं और उन्होंने ओडिशा के लोगों को पान खिलाया है। चाचा और नवीन बाबू ने मिलकर ओडिशा के लोगों की सेवा की।यहां पौधारोपण के नाम पर 15 हजार करोड़ की लूट हुई है। उन्होंने खदानों से बहुत लूट की है, कांग्रेस आने पर यह पैसा वापस कर दिया जाएगा। जब ओडिशा में सत्ता आएगी तो लोगों के खाते में पैसे दिए जाएंगे।2000 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस दी जाएगी। हम प्रति क्विंटल चावल से 3 हजार रुपये कमाएंगे। महिलाओं को 2,000, युवाओं को 3,000 और किसानों को 3,000 मिलेंगे। मोदी ने 22 लोगों को 16 लाख करोड़ रुपये दिये हैं। देश के सभी गरीब परिवारों से एक महिला का चयन किया जाएगा। महिला के बैंक खाते में 1 लाख का भुगतान किया जाएगा। राहुल ने कहा कि महिलाओं के खाते में हर महीने 8 हजार 500 रुपये जाएंगे। राहुल ने यह भी कहा कि हम किसानों का कर्ज माफ करेंगे. उन्होंने कहा, कांग्रेस 'पहली नौकरी पक्की' योजना लाएगी। हम सभी बेरोजगार युवक-युवतियों को नौकरी की गारंटी दे रहे हैं। जो भी व्यक्ति नौकरी के लिए सरकार के पास आवेदन करेगा उसे नौकरी अवश्य मिलेगी। नौकरी के लिए आवेदन करते समय एक वर्ष के लिए अप्रेंटिसशिप की पेशकश की जाएगी। हम देश के करोड़ों लोगों को करोड़पति बनायेंगे। हम देश के अरबों लोगों के खाते में लाखों रुपये का भुगतान करेंगे। काफी समय हो गया है, बहुत ज्यादा शराब पीने से मेरा पेट खराब हो गया है। हम एक आयोग बनाएंगे, हम किसानों का कर्ज माफ करेंगे।आशा, आंगनबाडी दीदी का वेतन दोगुना कर देंगे। हम मनरेगा का 400 रुपये देंगे। राहुल ने कहा कि जंगल, जल और जमीन आदिवासियों को सौंप दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023